RAJASTHAN WORKING JOURNALIST'S ASSOCIATION (2008)

ISH MADHU TALWAR
President

Rajasthan Working Journalists Union

प्रतिष्ठा में,

माननीय श्रीमती वसुन्धरा राजे

मुख्यमंत्री, राजस्थान

जयपुर।

विषय : कोलकाता में अग्निकाण्ड से पीड़ित राजस्थानियों की सहायता के सम्बंध में।

महोदया,

पिछले दिनों पत्रकारों के एक दल के साथ मैं कोलकाता हो कर आया हूं और भीषण अग्निकांड के शिकार हुए राजस्थानियों की पीड़ा को मैंने नजदीक से देखा है।

वहां हालात ऐसे बने हैं कि हजारों राजस्थानी जो एक रात तक करोड़पति थे, वे अगली सुबह सब कुछ स्वाहा होने के बाद सड़कों पर आ गए। पुनर्वास की बड़ी समस्या उनके सामने खड़ी हो गई है। पश्चिमी बंगाल सरकार की उनके जख्मों पर मरहम लगाने की कोशिश भी हमें नजर नहीं आई। राजस्थानी लोग स्वाभिमानी हैं। उन्होंने साफ कहा है कि वे किसी से भीख नहीं मांगेंगे। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि उन्हें कोई मदद की दरकार नहीं है। सच्चाई तो यह है कि उन्हें सहायता की सख्त जरूरत है।

राजस्थान फाउंडेशन की कोलकाता इकाई के अध्यक्ष श्री इंदिमोहन नाहटा ने भी पत्रकारों से बातचीत में यह मंशा जाहिर की थी कि कुछ समृद्ध राजस्थानी व्यवसायी मुख्यमंत्री सहायता कोष में अपना योगदान दें

कृपया..... 2

Govt. Hostel Campus
Sardar Patel Marg, Jaipur-302 001
Tel. Off. - 0141-2378011, Tele. Fax : 0141-2378011
Res.- 0141-2707020, Mob.- 94133-27070

सकते हैं, लेकिन सीमाओं के चलते इतने बड़े अग्निकांड के पीड़ितों की बहुत ज्यादा मदद करना शायद ही व्यक्तिगत रूप से किसी के लिए संभव होगा।

ऐसे में यदि राजस्थान सरकार अग्निपीड़ितों की सहायता के लिए आगे आती है तो निश्चय ही राजस्थानी व्यवसाइयों के बीच आत्मीयता का संदेश पहुँचेगा।

तमाम स्थितियों की जानकारी आपको पहले से ही है। भीषण अग्निकांड से कंगाली की कगार पर पहुँचे राजस्थानियों की मदद के लिए आप कुछ करेंगी, ऐसा हमें भरोसा है।

आपका शुभाकांक्षी,

(ईशमधु तलवार)
अध्यक्ष

प्रतिलिपि: श्री हरि मोहन बाँगड़
अध्यक्ष, राजस्थान फाउन्डेशन,
कोलकाता

राजीव जैन,
प्रदेशाध्यक्ष,
(मो.): 94140 71010

ललित शर्मा,
प्रदेश महामंत्रिक
(मो.): 98878 68281

राजस्थान पत्रकार संघ
(JOURNALISTS ASSOCIATION OF RAJASTHAN)
[illegible]
Regional Head Office : Plot No. 13, Govt. Hostel, Mirza Ismile Road, Jaipur - 302001, RAJASTHAN
Phone/Fax: +91-141 2370191, Reg.No.: 811/9/93

माननीय मुख्यमंत्री महोदय,
राजस्थान सरकार, जयपुर।

विषय: कोलकाता बड़ा बाजार अग्निकांड के सम्बन्ध में।

उपरोक्त विषयान्तर्गत निवेदन है कि राजस्थान पत्रकार संघ (जार) के एक दल ने बड़ा बाजार में लगी आग से हुए नुकसान का जायजा लिया। इस दल ने प्रभावित व्यापारियों से भी संवाद किया और राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता के पदाधिकारियों से भी [illegible] की जानकारी प्राप्त की। दल ने सारे हालात को जानने के बाद पाया कि राजस्थान मूल के करीब दो हजार व्यापारियों का काफी बड़ा नुकसान हुआ है। अग्निकांड से इन व्यापारियों का सब कुछ उजड़ गया है। राजस्थान मूल के इन व्यापारियों को फिर से अपना कारोबार शुरू करने के लिए मदद की जरूरत है। राज्य के पत्रकारों के अग्रिम [illegible] का मानना है कि संकट की इस घड़ी में राजस्थान सरकार भी [illegible] प्रभावित व्यापारियों की मदद में आगे आए।

जार के कोलकाता गए दल का मानना है कि प्रभावित व्यापारियों को तुरन्त से उचित मुआवजा हो। उन्हें व्यापार करने के लिए वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराया जाए। इसके साथ ही आग से नष्ट हुई जगह पर पुनर्निर्माण कराकर शीघ्र ही वो जगह वापस प्रभावित व्यापारियों को उपलब्ध कराई जाए। प्रभावित व्यापारियों को फिर से व्यापार शुरू करने के लिए आसान शर्तों पर कर्ज मुहैया कराया जाए। आग से नष्ट हुए व्यापारिक स्थल पूरी तरह से वैधानिक थे। इसको लेकर किया जा रहा प्रचार भ्रामक है। क्योंकि इन जगहों पर व्यापारी सभी तरह के सरकारी लाइसेंस लेकर ही लम्बे समय से अपना कारोबार कर रहे थे। इसलिए भ्रामक प्रचार को भी दूर किया जाना चाहिए।

राजस्थान पत्रकार संघ (जार) का मानना है कि व्यापारियों की मदद के लिए राजस्थान सरकार प. बंगाल सरकार और केन्द्र सरकार पर दबाव बनाए। इसके जरिए ही प्रभावित व्यापारियों को मदद दिलाने का काम हो। इसके साथ ही भविष्य में इस तरह की घटनाएं फिर न हो, इसकी पुख्ता व्यवस्था की जाए। इस तरह के हादसे होने पर

राजीव जैन,
प्रदेशाध्यक्ष,
(मो.): 94140 71010
ललित शर्मा,
प्रदेश महासचिव
(मो.): 98876 68281

राजस्थान पत्रकार संघ
(JOURNALISTS ASSOCIATION OF R/ JASTHAN)
Regional Head Office : Plot No. 13, Govt. Hostel,
Mirza Ismile Road, Jaipur - 302001. RAJASTHAN
Phone/Fax : +91-141 2370101 Reg.No : RTU/9/93

संबंधित सरकार और प्रशासन संवेदनशील रवैया अपनाते हुए पूरी जिम्मेदारी से प्रभावितों की मदद करें। इसके लिए भी गंभीरता से विचार होना चाहिये।

'धन्यवाद'

(राजीव जैन)
प्रदेश अध्यक्ष
राजस्थान पत्रकार संघ (जार)
जयपुर

(अनिल चतुर्वेदी)
जिला अध्यक्ष
राजस्थान पत्रकार संघ (जार)
जयपुर इकाई

स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

आग की तबाही से व्यापारी बेहाल, अब पुनर्वास की चिंता

आर्थिक संबल की पहल, ज्यादा मदद की आस

प्रकाशन का पच्चीसवां साल

जनसत्ता

नई दिल्ली शनिवार 19 जनवरी, 2008 रु. 3.00 (12 पेज) दिल्ली, कोलकाता, चंडीगढ़, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

मारवाड़ी व्यापारियों का कारोबार चौपट

राजीव जैन

जयपुर, 18 जनवरी। कोलकाता के बड़ा बाजार में लगी आग से प्रभावित व्यापारियों को अब अपने पुनर्वास की चिंता सता रही है। अग्निकांड में सब कुछ गंवा चुके इन व्यापारियों को फिर से धंधा करने के लिए अब मदद की खासी जरूरत है। पुरानी जगह पर ही कारोबार फिर शुरू होने पर भी इन व्यापारियों को शंका है। इस अग्निकांड से करीब तीन हजार व्यापारियों के सामने संकट खड़ा हो गया है। इनमें से ज्यादातर व्यापारी राजस्थान मूल के हैं।

कोलकाता के प्रमुख थोक बाजार बड़ा बाजार के अग्निकांड ने देश भर में फैले मारवाड़ी व्यापारियों को झकझोर दिया है। इस आग ने कोलकाता के निम्न और मध्यम तबके के करीब तीन हजार राजस्थान मूल के व्यापारियों का कारोबार चौपट कर दिया। इससे इनके सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। कोलकाता के चैंबर ऑफ टैक्सटाइल ट्रेड एंड इंडस्ट्री के [illegible] मुलाकी दास चौमानी का कहना है कि अग्निकांड ने करीब 15 हजार लोगों को एक साथ बेरोजगार कर सड़क पर खड़ा कर दिया है। इनका कारोबार फिर शुरू करने के लिए सरकार सहित सभी संगठनों को मिलजुल कर काम करना होगा।

बड़ा बाजार में लगी आग पर पांच दिन बाद बुधवार को काबू पाया जा सका। आग से किसी की जान तो नहीं गई पर संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है। मारवाड़ी व्यापारियों के [illegible] में ही आग के कारण [illegible] करोड़ रुपए से ज्यादा का माल स्वाहा हो गया। बड़ा

कोलकाता

बाजार के [illegible] और [illegible] को आग ने सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया। इन लाखों पर कारोबार करने वाले व्यापारी हो [illegible] हैं। उनको चिंता है कि उन्हें पुरानी जगह पर दोबारा कारोबार करने की इजाजत मिलेगी या नहीं। प्रभावित व्यापारी चाहते हैं कि उन्हें मदद के साथ ही पुरानी जगहों पर व्यापार करने की अनुमति मिले।

[illegible] इलाके के विधायक [illegible] [illegible] आग के बाद से ही प्रभावित व्यापारियों के पुनर्वास की कोशिशों में लगे हैं। [illegible] का कहना है कि सरकार जल्द ही एक [illegible] बनाकर पीड़ित व्यापारियों को राहत देगी। व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि [illegible] लगातार हुए हादसे में प्रभावितों की मदद में जुटे हैं। इनका कहना है कि [illegible] में आग के बाद उठा धुआं जब तक छटना चाहिए, इससे प्रभावित व्यापारी फिर से अपना कारोबार चलाने की तैयारी कर सकें। [illegible] का मानना है कि नुकसान का सही आकलन तो बाद में होगा। अभी तो पहली जरूरत उन व्यापारियों को फिर से खड़ा करने की है जो सड़क पर आ गए हैं।

बड़ा बाजार के पीड़ित व्यापारी कोलकाता की [illegible] [illegible] से भी खासे नाराज दिखे। उनका कहना है कि प्रशासन ने शुरुआत में इस आग को गंभीरता से नहीं लिया। आग ने जब विकराल रूप ले लिया तो दमकल विभाग के हाथ-पांव फूल गए। पीड़ित व्यापारियों को जल्द ही कारोबार शुरू करने के लिए वैकल्पिक जगह मुहैया करानी चाहिए। इसके साथ ही व्यापारियों का कहना है कि उनके नुकसान की भरपाई [illegible] [illegible] की ओर से की जानी चाहिए। पूरी प्रक्रिया में कोई भी अड़चन आए बिना इनके पुनर्वास की व्यवस्था की जानी चाहिए।

Press Clipping

Publication : Adhikar
Date : Friday, January 18, 2008
Edition : Jaipur
Page : 3

अग्निकांड पीड़ित व्यापारियों को पुनर्वास की चिंता

● कोलकाता बड़ा बाजार अग्निकांड

कोलकाता, 17 जनवरी (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता शहर के बडा बाजार में लगी आग से प्रभावित व्यापारियों को पुनर्वास की चिंता सता रही है। जयपुर से गये संवाददाताओं को इन व्यापारियों ने बताया कि सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि नियमों एवं पुनर्निमाण की आड में कहीं उन्हें दुकान से वंचित नहीं होना पडे। इन व्यापारियों की मांग है कि जल्दी से जल्दी आग से प्रभावित भवनों का पुनर्निमाण किया जाये ताकि वे अपना व्यापार शुरू कर सके। व्यापारियों में इस बात पर आक्रोश है कि जिन भवनों में आग लगी है अब उन्हें अवैध करार दिया जा रहा है जबकि ये 40 वर्ष पुरानी है तथा नियमानुसार लाइसेंस लेकर ही व्यापार किया जा रहा है।

बडा बाजार में पीढियों से व्यापार कर लखपति-करोडपति बने अधिकतर राजस्थान मूल के व्यापारी रातों रात अर्स से फर्स पर आ गये। अग्निकांड के हादसे से यह व्यापारी दहशत में जरूर है लेकिन किसी के आगे भीख मांगना नहीं चाहते।

चैम्बर ऑफ टेक्सटाइल ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज के सचिव बुलाकी दास मिमानी ने बताया कि कोई भी व्यापारी भीख मांगना नहीं चाहता । अगर कम दरों पर आसान किश्तों में रिण मिल जाये तथा पुश्तैनी दुकान फिर मिल जाये तो वे मेहनत एवं साहस के साथ फिर व्यापार खडा कर सकते है। मिमानी ने बताया कि करीब 1700 दुकानें अग्निकांड से प्रभावित हुयी है तथा इससे करीब 15 हजार लोगों को बेरोजगारी का सामना करना पड रहा है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक तौर पर एक हजार करोड के नुकसान का अनुमान है। अग्निकांड के पीछे भू माफिया का हाथ होने के आरोपों के बारे में कोई खुलकर नहीं बोलना चाह रहा लेकिन इस मामले में व्यापारियों का कहना है कि अगर उन्हें अपनी पुरानी जगह मिलने का ठोस भरोसा मिल जाये तो इस तरह की बातों में दम नहीं रहेगा। राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड ने बताया कि राजस्थान सरकार को पश्चिम बंगाल सरकार से बातचीत कर प्रभावित व्यापारियों का पुनर्वास सुनिश्चित कराने का प्रयास करना चाहिये। अग्निकांड से निपटने में ढिलाई के लिये पश्चिम बंगाल सरकार को दोषी मानने से इंकार करते हुये उन्होंने कहा कि इस मामले में आग बुझाने वाले विभागों में समन्वय की कमी अवश्य देखी गयी।

उन्होंने बताया कि प्रभावित व्यापारियों को मदद के लिये बी के बिडला ने दो करोड रूपये देने की घोषणा की है तथा अन्य उद्योग घरानों से सहायता ली जायेगी। व्यापारियों का कहना है कि शुक्रवार की रात जमना लाल बजाज स्ट्रीट की तिपाल पट्टी में लगी आग पर तत्काल काबू नहीं पाया गया तथा व्यापारियों के कहने के बावजूद सीधा गंगा से पानी लाने में देरी की गयी जिससे नंदराम मार्केट से जुडे आठ इमारतों में बनी दुकानें अग्निकांड की भेंट चढ गयी।

संवाददाताओं ने देखा कि बडा बाजार में संकडी गलियों में बने भवनों में दुकानें बनी हुयी है तथा वहां कभी अग्निकांड की घटना हो जाये तो उसे रोक पाना बहुत मुश्किल होगा। राज्य सरकार की तरफ से इस मामले में कोई कदम उठाने की घोषणा अभी तक नहीं हुयी है।

Press Clipping

Publication	:	Samachar Jagat
Date	:	Friday, January 18, 2(
Edition	:	Jaipur
Page	:	1

बेबस व्यापारी, बेरहम सरकार

राजे से मदद की आस

कोलकाता,17 जनवरी (विसं)। नन्दराम व काशीराम मार्केट में आग से प्रभावित व्यापारियों को राजस्थानकी मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे से बड़ी आस है।पत्रकारों का दल जब वहां व्यापारियों से मिला तो उनके मुख से एक ही वाक्य निकला कि मैडम से कहकर बंगाल सरकार से हमारी मदद करवाएं।सुना है मैडम बड़ी रहम दिल है। मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे को भी दाद देनी होगी कि उन्होंने शीघ्र शिक्षामंत्री कालीचरण सर्राफ के नेतृत्व में टीम भेजी। श्रीमती राजे कोलकाता में हुए अग्नि काण्ड से बेहद आहत है। उन्होंने व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि हर सम्भव मदद के लिए राजस्थान सरकार मारवाड़ियों के साथ है। मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने 'रिसर्जेन्ट 2007' के जरिये प्रवासी राजस्थानियों को यहां उद्योग लगवाने का न्यौता दिया था। मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने पश्चिम बंगाल के

▶शेष पृष्ठ आठ पर

राजस्थानी दुकानदारों की रोजी-रोटी छिनी

वीरेन्द्र सिंह राठौड़

कोलकाता, 17 जनवरी। चूरू जिले के सुजानगढ़ कस्बे के रहने वाले मोहम्मद भाटी को क्या पता था कि पिछले 40 साल से कोलकाता के त्रिपाल पट्टी मार्केट में व्यापार के दौरान कमाई गई पूंजी एक झटके में ही आग की भेंट चढ़ जाएगी और 50 व्यक्तियों का उसका परिवार सड़क पर आ जाएगा।

आग का यह मंजर बड़ा बाजार स्थित नन्दराम व काशीराम मार्केट में देखने को मिला। तकरीबन 1800 छोटे बड़े व्यवसायी एक रात में जमीन पर आ गए तथा दो जून की रोटी के लिए मोहताज हो गए।

बीते शुक्रवार की रात डेढ़ बजे अचानक ही नन्दराम मार्केट में आग लगने की सूचना व्यापारियों को लगी। व्यापारी जब तक अपनी दुकानों को संभालने पहुंचते तब तक आग की लपटों ने काशीराम व त्रिपाल पट्टी मार्केट को भी अपने आगोश में ले लिया।

आग के बाद कबाड़ में तब्दील सामान को बाहर निकालते व्यापारी।

बड़े पैमाने पर लगी आग को बुझाने के लिए बंगाल प्रशासन व सेना की टीमें दिन रात लगी रही तब जाकर आग पर काबू पाया जा सका। आग तो बुझ गई लेकिन जो व्यापारी सड़क पर आ गया उसका क्या होगा। कैसे वह पुनः खड़ा हो सकेगा। मोहम्मद भाटी का कहना था कि वह अपने छह भाईयों के साथ त्रिपाल पट्टी के व्यापार में लगा हुआ था। आठ गोदाम छह दुकानें थी ये सभी आग की भेंट चढ गए। ऐसे ही सैकड़ों व्यापारी है कि जिन्होंने रात को दुकान बन्द की थी। उन्हें क्या मालूम था कि सुबह साफ हो जाएगी। इनकी आंखों में बेबसी थी और बोलने की कोशिश करने पर गला भर आया बोले भायाजी म्हारो तो सब कुछ लुट ग्यो अब के बच्यो है। बड़ा बाजार के मनोहर दास कटला में भी कुछ सालों पहले ऐसी आग लगी थी लेकिन व्यापारियों ने एक जुटता दिखाकर पुनं बिल्डिंग बनाई। इन दो मार्केटों में लगी आग से सीधे सीधे 20 हजार लोग प्रभावित हुए है। नन्दराम व काशीराम मार्केट

▶शेष पृष्ठ आठ पर

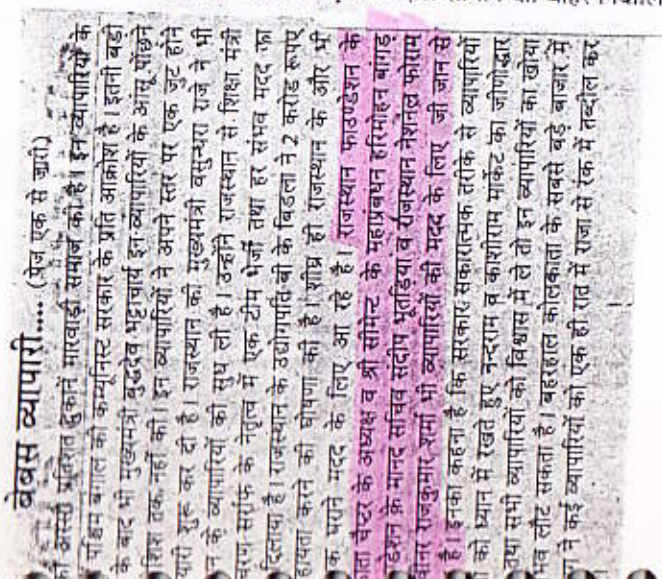

बेबस व्यापारी.... (पेज एक से जारी)

की अस्सी प्रतिशत दुकानें मारवाड़ी समाज की है। इन व्यापारियों के ...ं पश्चिम बंगाल की कम्युनिस्ट सरकार के प्रति आक्रोश है। इतनी बड़ी ...ना के बाद भी मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य इन व्यापारियों के आंसू पोंछने ...शिश तक नहीं की। इन व्यापारियों ने अपने स्तर पर एक जुट होने ...तैयारी शुरू कर दी है। राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने भी ...न के व्यापारियों की सुध ली है। उन्होंने राजस्थान से शिक्षा मंत्री ...लीचरण सर्राफ के नेतृत्व में एक टीम भेजी तथा हर संभव मदद का ...दिलाया है। राजस्थान के उद्योगपति बी के बिडला ने 2 करोड़ रूपए ...सहायता करने की घोषणा की है। शीघ्र ही राजस्थान के और भी ...क घराने मदद के लिए आ रहे है। राजस्थान फाउण्डेशन के ...लकाता चैप्टर के अध्यक्ष व श्री सीमेन्ट के महाप्रबंधन हरिमोहन बांगड़ ...उण्डेशन के मानद सचिव संदीप भूतड़िया व राजस्थान नेशनल फोरम ...कन्वीनर राजकुमार शर्मा भी व्यापारियों की मदद के लिए जी जान से ...है। इनका कहना है कि सरकार सकारात्मक तरीके से व्यापारियों ...हितों को ध्यान में रखते हुए नन्दराम व काशीराम मार्केट का जीर्णोद्धार ...तथा सभी व्यापारियों को विश्वास में ले तो इन व्यापारियों का खोया ...वैभव लौट सकता है। बहरहाल कोलकाता के सबसे बड़े बाजार में ...ने कई व्यापारियों को एक ही रात में राजा से रंक में तब्दील कर ...है।

Press Clipping

Publication : Dainik Jagran
Date : Thursday, January 17, 2008
Edition : New Delhi
Page : 2

कोलकाता के बड़ा बाजार की आग बुझी, 15 अरब की क्षति

कोलकाता, जाब्यू : महानगर के मुख्य व्यावसायिक केंद्र बड़ाबाजार की सात मंजिली इमारत में शुक्रवार की देर रात लगी भीषण आग 107 घंटे बाद बुझा ली गई। एक अनुमान के मुताबिक करीब 15 सौ करोड़ रुपये की संपत्ति नष्ट हो गई है। हालांकि सरकारी स्तर पर आग से हुई क्षति के बारे में अभी कुछ नहीं बताया गया है। दमकल विभाग के डिवीजनल फायर अफसर का कहना है कि बुधवार को दिन में 12 बजे आग पूरी तरह से बुझा दी गई। हालांकि अब भी कुछ हिस्सों से धुआं निकल रहा है जिस पर पानी डाला जा रहा है। कई दुकानें बंद है। इससे आशंका है कि कहीं आग फिर से न भड़क जाए।

पुलिस के संयुक्त आयुक्त जुल्फिकार हसन व फायर विभाग के अधिकारी बिभाष गुहा ने अग्निकांड में जले मकानों के मालिकों के खिलाफ केस दर्ज कर मामला शुरू करने की बात भी कही है। नगर निगम के डीजी ने बिल्डिंग और फोरेंसिक विभाग के विशेषज्ञ को बुलाया, जिन्होंने इमारत के भीतर जा कर स्थिति देखी। इमारत को तोड़ने के बारे में बाद में निर्णय किया जाएगा। नंदराम व काशीराम मार्केट के व्यवसायियों को फिलहाल इमारत में दाखिल होने की अनुमति नहीं दिए जाने से दुकानदारों में काफी आक्रोश था।

Press Clipping

Publication : Dainik Bhaskar
Date : Friday, January 18, 2008
Edition : Jaipur
Page : 9

अग्निकांड के लिए प. बंगाल सरकार जिम्मेदार : मोरदिया

कोलकाता के बड़ा बाजार का जायजा लेकर लौटा कांग्रेसी दल। सीबीआई जांच की मांग, प्रदेश कांग्रेस अब केंद्र सरकार से मदद का आग्रह करेगी

नगर संवाददाता, जयपुर

प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष परसराम मोरदिया ने कहा है कि कोलकाता अग्निकांड पीड़ितों को ज्यादा से ज्यादा राहत दिलाने के लिए केंद्र सरकार से आग्रह किया जाएगा। इसके लिए जल्द ही प्रदेश कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल दिल्ली जाएगा। दल ने हादसे के लिए पश्चिमी बंगाल सरकार की लापरवाही को जिम्मेदार माना है। मोरदिया के नेतृत्व में हालात का जायजा लेकर लौटे कांग्रेसी दल ने बताया कि यदि समय रहते एहतियाती कदम उठाए जाते तो भीषण अग्निकांड से बचा जा सकता था। समय पर न तो दमकलें आईं और न ही सरकार के नुमाइंदे मौके पर पहुंचे। अग्निकांड में 3 हजार दुकानें राख हो गईं तो करीब 4 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। मोटे अनुमान के अनुसार एक हजार करोड़ के नुकसान का अंदेशा है। मोरदिया ने बताया कि पीड़ितों में राजस्थानी व्यापारियों का बड़ा तबका है। सदमे से तेजकर वैद्य को हार्टअटेक हो गया। प्रतिनिधिमंडल ने उनके आवास पर जाकर परिजनों को ढाढ़स बंधाया। राज्यपाल से मामले की सीबीआई जांच की मांग की गई है। पीड़ितों का कहना है कि उनके पुनर्वास की योजना बनाई जानी चाहिए। क्षतिग्रस्त भवनों का पुनर्निमाण कार्य व्यापारियों की समिति के जरिए करवाने की मांग की गई है। कांग्रेसी दल में प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री राजेंद्र पारीक, विधायक महादेव सिंह खंडेला, डॉ. गोपाल बाहेती, भवानीशंकर शर्मा शामिल थे।

Press Clipping

Publication : Rajasthan Patrika
Date : Friday, January 18, 2008
Edition : Jaipur
Page : 5

आग बुझाने में लापरवाही हुई- कांग्रेस

जयपुर, 17 जनवरी(का.सं.)। कोलकाता के बड़ा बाजार में लगी आग से पीड़ित व्यापारियों से मिलने गए प्रदेश कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने भी स्वीकार किया है कि आग बुझाने में पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से लापरवाही बरती गई है और आग बुझाने के उचित इन्तजाम नहीं किए गए। प्रदेश कांग्रेस ने अग्निकांड की न्यायिक या सीबीआई जांच की मांग की है।

प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष परसराम मोरदिया की अगुवाई में गया प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को जयपुर लौट आया। मोरदिया ने बताया कि आग से राजस्थान मूल के 3000 हजार व्यापारी व दुकानों पर काम करने वाले तीस हजार कामगार प्रभावित हुए है। इन लोगों के सामने रोजी-रोटी का संकट हो गया है। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मिलकर अधिकारों का उपयोग कर पीड़ितों को नये सिरे से बसाने की योजना बनवाने की मांग की है, तब तक व्यापार के लिए वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराएं। प्रतिनिधिमंडल यूपीए की अध्यक्ष सोनिया गांधी व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से भी पुनर्वास में मदद का आग्रह करेगा। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व विधायक राजेन्द्र पारीक, विधायक महादेव सिंह खण्डेला, डॉ.गोपाल बाहेती व भवानी शंकर शर्मा शामिल थे।

Press Clipping

Publication : Samachar Jagat
Date : Friday, January 18, 2008
Edition : Jaipur
Page : 1

आग पर काबू पाया जा सकता था: मिमाणी

कोलकाता, 16 जनवरी। चैम्बर ऑफ टैक्सटाइल्स ट्रेड एण्ड इंडस्ट्रीज (कोटी) के सचिव बुलाकी दास मिमाणी का कहना था कि शुक्रवार को देर रात लगी आग पर काबू पाने में अगर प्रशासन थोडी मुस्तैदी दिखाते हुए पास ही बह रही गंगा नदी से लिफ्ट कर पानी से लेता तो शायद आग पर काबू पाया जा सकता था। मिमाणी ने पत्रकारों को बताया कि सेना व कोलकाता नगर निगम के अधिकारियों में तालमेल का अभाव था। पूरे उपकरण भी नहीं थे। जिसके कारण चार दिन तक बाजार में लपटें उठती रही। उन्होंने बताया कि राज्यपाल के निर्देश पर सेना बुलाई गई। जिसने काफी हद तक आग पर काबू पाया। उन्होंने कहा कि सरकार को व्यापारियों के पुनर्वास के लिए ऋण की व्यवस्था को उन्होंने कहा कि 500 करोड से ज्यादा का नुकसान हुआ है। हम व्यापारियों के नुकसान का आकलन करने में जुटे हुए है।

Press Clipping

Publication : Daily News
Date : Friday, January 18, 2008
Edition : Jaipur
Page : 15

राजस्थानी व्यापारियों को पुनर्वास की चिंता

बड़ा बाजार अग्निकांड

एक हजार करोड़ की संपत्ति खाक, 15 हजार लोग बेरोजगार

एजेंसी. कोलकाता

मध्य कोलकाता के बड़ा बाजार में गत सप्ताह लगी आग से करीब 1,700 दुकानें प्रभावित हुई हैं। आग से 1,000 करोड़ रुपए की संपत्ति का नुकसान होने का अनुमान है। अग्निकांड से प्रभावित राजस्थान के व्यापारियों को अब पुनर्वास की चिंता सता रही है।

जयपुर से यहां पहुंचे पत्रकारों से बातचीत में चैम्बर ऑफ टेक्सटाइल ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज के सचिव बुलाकी दास मिमानी ने गुरुवार को कहा कि करीब 1700 दुकानें अग्निकांड से प्रभावित हुई हैं। लगभग 15 हजार लोगों को बेरोजगारी का सामना करना पड़ रहा है।

बड़ा बाजार में पीढ़ियों से व्यापार कर करोड़पति बने अधिकतर राजस्थान मूल के व्यापारी रातों-रात अर्स से फर्श पर आ गए हैं। कोई भी व्यापारी किसी के सामने हाथ फैलाना नहीं चाहता। अगर कम दरों पर आसान किश्तों में ऋण तथा पुश्तैनी दुकान मिल जाए, तो वे मेहनत व साहस के साथ फिर व्यापार खड़ा कर सकते हैं। उधर, व्यापारियों ने कहा कि सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि नियमों व पुनर्निमाण की आड़ में कहीं उन्हें दुकान से वंचित नहीं होना पड़े। व्यापारियों की मांग है कि जल्द ही आग से प्रभावित भवनों का पुनर्निमाण हो ताकि वे अपना व्यापार शुरू कर सकें। व्यापारियों में इस बात का आक्रोश है कि जिन भवनों में आग लगी है उन्हें अवैध करार दिया जा रहा है, जबकि वे 40 वर्ष पुरानी हैं।

वसुंधरा सरकार से मदद की गुहार

अग्निकांड के हादसे से ये व्यापारी दहशत में जरूर हैं, लेकिन किसी के आगे हाथ नहीं फैलाना चाहते। अग्निकांड के पीछे भू माफिया का हाथ होने के आरोपों के बारे में कोई खुलकर नहीं बोलना चाह रहा है। राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़ ने बताया कि राजस्थान सरकार को पश्चिम बंगाल सरकार से बातचीत कर प्रभावित व्यापारियों का पुनर्वास सुनिश्चित कराने का प्रयास करना चाहिए।

आपणी भाषा को 'मनमोहनी' फैसले का इंतजार

एजेंसी. नई दिल्ली

राजस्थानी और भोजपुरी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने का मामला गरमा गया है। भारतीय रिजर्व बैंक व संघ लोक सेवा आयोग ने इसमें रोड़ा अटका दिया है। इस वजह से इस मामले में अब प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के फैसले का इंतजार है। प्रधानमंत्री रिजर्व बैंक व आयोग के अधिकारियों के साथ बैठक कर मामले का निपटारा करेंगे।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने यह कहते हुए इस पर एतराज जताया है कि नोटों में लिखी जाने वाली भाषाओं की संख्या पहले ही ज्यादा है। उस पर और भाषाएं नहीं लिखी जा सकतीं। बैंक ने अनुरोध किया है कि सरकार भाषाओं की अनिवार्यता समाप्त कर दे, ताकि नई भाषाओं को मान्यता मिलने के बाद उन्हें नोट पर लिखने को बाध्य न होना पड़े। दूसरी ओर, संघ लोक सेवा आयोग का कहना है कि अभी तक जितनी भाषाओं में परीक्षाएं ली जा रही हैं, उनकी संख्या काफी है। और भाषाओं में प्रश्न पत्र निकालना मुमकिन नहीं है। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्रालय का कहना है कि सरकार दोनों भाषाओं को मान्यता देने के लिए कटिबद्ध है और जो भी अड़चनें आ रही हैं, उन्हें दूर कर लिया जाएगा। मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद बजट सत्र में दोनों भाषाओं को मान्यता देने संबंधी विधेयक को पारित करा लिया जाएगा।

Press Clipping

Publication : Punjab Kesari

Date : Friday, January 18, 2008

Edition : New Delhi

Page : 1

दुकानों की आग तो बुझी

अब कोलकाता में जल रहे हैं लोगों के दिल

■ पुनः आबाद होने को लेकर राजस्थानी व्यापारियों की नींद उड़ी, जली दुकानों की निश्चित संख्या का भी नहीं पता

कोलकाता, (ईशमधु तलवार): कोलकाता के बड़ा बाजार में दो हजार से ज्यादा दुकानों में लगी आग तो लगभग बुझ चुकी है, लेकिन अब हजारों राजस्थानियों के दिलों से आग की लपटें उठ रही हैं। जो लोग शुक्रवार की रात तक करोड़पति थे, वे अगेल दिन सुबह सड़कों पर आ गए। उजड़ा हुआ मंजर अब कैसे आबाद होगा, उसकी चिन्ता ने राजस्थाननी व्यापारियों की नींद उड़ा दी है। कोलकाता के ब्रेबार्न रोड पर जहां दिन भर सड़कों पर जाम लगा रहता था, उस सूनी सड़क पर अब दमकल की कतारें लगी पड़ी है और पुलिस अफसर बीच सड़क पर कुर्सियां लगा कर बैठे हैं। जिन तंग गलियों में लोगों को कंधे भिड़ाते हुए गुजरना पड़ता है, उनमें भी दमकलें आ डटी है। आग लगभग बुझ चुकी है, लेकिन कहीं-कहीं अभी भी धुआं उठता नजर आ जाता है। ऐसा ही धुआं लोगों के मन में उठ रहा है। सबके सामने एक ही सवाल है- अब क्या होगा? उद्योगपति बी.के. बिड़ला पुनर्वास के लिए दो करोड़ रुपए देने की घोषणा कर चुके हैं और भी लोग मदद में आगे आ रहे हैं, लेकिन कोलकाता में बसे राजस्थान के व्यवसायी राजकुमार शर्मा कहते हैं- हमें पैसे नहीं, दुकानें चाहिए। दुकानदारों के सामने सबसे बड़ी समस्या यही है कि दुकानों की जो गद्दियां पैसा उगलती थीं, वे उजड़ने के बाद अब कैसे उन्हें वापस मिलेंगी। ये दुकानें नाम मात्र के किराए पर ली हुई थीं अब दुकान मालिक इन्हें फिर से बनाने में कोई दिलचस्पी शायद ही दिखाएं। इस बारे में राजस्थाना से गए पत्रकारों को कोलकाता के चैम्बर आफ टेक्सटाइल ट्रेड एण्ड इन्डस्ट्री (कोट्टी) के मानद सचिव बुलाकीदास भीमानी ने बताया कि सरकार से बात चल रही है और जल्दी ही समस्या का कोई हल निकल जाएगा। उन्होंने बताया कि मनोहर दास कटरा में 1995 में लगी आग के बाद पुनर्वास के लिए जो फार्मूला अपनाया गया था, उसी तर्ज पर काम किया जाएगा। इसमें दुकानों को फिर से बनाने का खर्चा किराएदार ने उठाया था। इस भीषण अग्निकाण्ड की भेंट कितनी दुकें चढ़ीं, इसका अधिकृत आंकड़ा किसी के पास उपलब्ध नहीं है। कोट्टी के सचिव भीमानी का जहां कहना है कि लगभग 1700 दुकानों को नुकसान पहुंचा है, वहीं कोलकाता के संयुक्त पुलिस आयुक्त जुल्फिकार हसन का कहना था कि कम से कम तीन चार हजार दुकानें जली हैं। राजस्थान फाउन्डेशन की कोलकाता इकाई के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़ का भी कहना था कि तीन हजार से ज्यादा दुकानों को नुकसान पहुंचा है। बांगड़ ने दुकानदारों के पुनर्वास के लिए 21 लाख रुपए की घोषणा करते हुए कहा कि इस काम में राजस्थान सरकार को भी आगे आना चाहिए। फाउन्डेशन के सचिव संदीप

▶ शेष पृष्ठ चार पर II

अब कोलकाता में जल रहे हैं

भुतोडिया इस बात से दुखी थे कि आग बुझाने में जितनी तत्परता प्रशासन को दिखानी चाहिए थी, उतनी नहीं दिखाई। घटनास्थल के पास ही गंगा नदी बहती है, लेकिन वहां से पानी की व्यवस्था नहीं की गई। मुख्यमंत्री पर किसी बड़े मंत्री ने भी घटनास्थल पर जाकर लोगों के जख्मों पर मरहम लगाने की जरूरत नहीं समझी। सरकार ने अब तक इस बारे में कोई घोषणा भी नहीं की है।

दुकानों में आग लगने से लोग किस तरह बर्बाद हुए हैं, इसका अन्दाज राजस्थान के सुजानगढ़ कस्बे से जाकर कोलकाता में बसे मोहम्मद भाटी की कहानी से लगाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि तिरपाल पट्टी इलाके में उनकी छह दुकानें और आठ गोदाम जल कर राख हो गए और लगभग ढाई करोड़ का माल आग की भेंट चढ़ गया। वे कहते हैं- आग की खबर पाकर हम दुकान तक तो पहुंच गए, लेकिन कांपते हाथ दुकान का ताला भी नहीं खोल पाए और देखते ही देखते आग की लपटों में दुकान धू-धू कर जलने लगी। कोटी के सचिव भीमानी ने पत्रकारों को बताया कि लोगों को आग से भी नुकसान हुआ और पानी से भी। जो दुकानें नहीं जली थीं, उनमें आग बुझाने का पानी पहुंचा तो उससे टैक्सटाइल व्यापारियों के सारे कपड़े खराब हो गए। दरअसल, सबसे पहले आग तिरपाल पट्टी इलाके में ही लगी, जिसने बाद में नंदराम मार्केट और काशीराम ब्लाक की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस इलाके में छोटी-छोटी दुकानें भी हैं। लोगों ने बाथरूम तक को तोड़कर दुकानों में तब्दील कर दिया है। तेरह तल्ले के इस बाजार में दुकानों की भूल-भुलैया है। इस भूल भुलैया ने जिन हजारों लोगों को पनपते देखा था, उनकी बर्बादी के मंजर का भी यह गवाह बन गई है।

Press Clipping

Publication : Mahaka Bharat
Date : Friday, January 18, 2008
Edition : Jaipur
Page : 14

अग्निकाण्ड के लिए बंगाल सरकार जिम्मेदार

■ कोलकाता जाकर आया कांग्रेस का प्रतिनिधिमण्डल

■ बंगाल के राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

जयपुर, 17 जनवरी (कांसं)। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष परसराम मोरदिया की अध्यक्षता में कोलकाता जाकर आए कांग्रेस प्रतिनिधिमण्डल ने कहा है कि बड़ा बाजार अग्निकाण्ड के लिए बंगाल सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है। पीड़ितों को राहत पहुंचाने की मांग करते हुए प्रतिनिधिमण्डल ने बंगाल के राज्यपाल गोपालकृष्ण गांधी को ज्ञापन भी सौंपा। पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए मोरदिया ने कहा कि इस काण्ड में हजारों दुकानें जलकर राख हो गई। करीब एक हजार का करोड़ का नुकसान हुआ है। सैकड़ों राजस्थानी व्यापारी पूरी तरह बर्बाद हो गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती तो इस हादसे को टाल सकती थी। आग शुरुआत में एक कोने में लगी थी, जो बारह घण्टे में पूरे बाजार में फैल गई और इस दौरान अग्निशमन की कोई व्यवस्था नहीं की गई। आग में नन्दराम बाजार और कांशीराम मार्केट पूरी तरह जलकर राख हो गए हैं। व्यापारी इस कदर बर्बाद हुए हैं कि एक व्यापारी तेजकरण वैद तो सदमे से अपनी जान ही दे बैठे। प्रतिनिधिमण्डल की पहल पर कोलकाता में एक ही दिन में पांच करोड़ रुपए सहायतार्थ एकत्र भी हो गए हैं। प्रतिनिधिमण्डल में प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री राजेन्द्र पारीक, विधायक श्रीगोपाल बाहेती, महादेवसिंह और खादी बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष भवानीशंकर शर्मा भी शामिल थे।

बंगाल सरकार यह करे उपाय

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि बंगाल सरकार पीड़ितों के साथ न्याय करे। बैंकों से बिना ब्याज ऋण उपलब्ध कराया जाए और पुनर्वास होने तक नजदीक ही व्यापार के लिए जगह उपलब्ध कराई जाए। बाजार के पुनर्निर्माण का काम किसी बाहरी भवन निर्माता को देने की बजाए यहां के व्यापारियों को ही एक समिति बनाकर किया जाए।

सोनिया से मिलेगा प्रतिनिधिमण्डल

कांग्रेस प्रतिनिधिमण्डल इस मामले की रिपोर्ट कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी देगा। प्रधानमंत्री मनमोहनसिंह से मिलकर भी व्यापारियों के लिए किसी राहत की मांग की जाएगी। वहां पहुंचे राज्यसभा सांसद और वित्त समिति के सदस्य संतोष बागड़ोदिया ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि वे 4 अथवा 5 फरवरी सभी बैंकर्स की एक मीटिंग करके बिना ब्याज ऋण दिलाने का प्रयास करेंगे।

Press Clipping

Publication : Dainik Navjyoti
Date : Friday, January 18, 2008
Edition : Jaipur
Page : 9

एक हजार करोड़ की संपत्ति राख

कोलकाता, 17 जनवरी(एजेंसी)। देश के व्यस्ततम व्यावसायिक केन्द्रों में से एक मध्य कोलकाता में बड़ा बाजार में गत सप्ताह लगी आग से करीब 1700 दुकानें प्रभावित हुई हैं। इससे एक हजार करोड़ रुपए की संपत्ति का नुकसान होने का अनुमान है।

अग्निकांड से प्रभावित व्यापारियों को जहां पुनर्वास की चिंता सता रही है वहीं इसके लिए वे किसी के सामने हाथ नहीं फैलाएंगे। जयपुर से आए पत्रकारों से चर्चा में चैम्बर ऑफ टेक्सटाइल ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज के सचिव बुलाकी दास मिमानी ने कहा कि करीब 1700 दुकानें अग्निकांड से प्रभावित हुई है। इससे लगभग 15 हजार लोगों को बेरोजगारी का सामना करना पड़ रहा है। प्रारंभिक तौर पर एक हजार करोड़ के नुकसान होने का अनुमान है। कोई भी व्यापारी किसी के सामने हाथ फैलाना नहीं चाहता। अगर कम दरों पर आसान किस्तों में कर्ज तथा पुश्तैनी दुकान मिल जाए तो वे मेहनत एवं साहस के साथ फिर व्यापार खड़ा कर सकते है। अग्निकांड से प्रभावित व्यापारियों ने कहा कि सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि नियमों एवं पुनर्निमाण की आड़ में कहीं उन्हें दुकान से वंचित नहीं होना पड़े। इन व्यापारियों की मांग है कि जल्दी से जल्दी आग से प्रभावित भवनों का पुनर्निमाण किया

पुनर्वास को लेकर बड़ा बाजार के व्यापारी चिंतित

जाए ताकि वे अपना व्यापार शुरू कर सके। व्यापारियों में इस बात का आक्रोश है कि जिन भवनों में आग लगी है अब उन्हें अवैध करार दिया जा रहा है जबकि वे 40 वर्ष पुरानी है तथा नियमानुसार लाइसेंस लेकर ही व्यापार किया जा रहा है। बड़ा बाजार में पीढ़ियों से व्यापार कर करोड़पति बने अधिकतर राजस्थान मूल के व्यापारी रातों रात जमीन पर आ गए। अग्निकांड के पीछे भू माफिया का हाथ होने के आरोपों के बारे में कोई खुलकर नहीं बोलना चाह रहा, लेकिन व्यापारियों का कहना है कि अगर उन्हें अपनी पुरानी जगह मिलने का ठोस भरोसा मिल जाए तो इस तरह की बातों में दम नहीं रहेगा। राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड ने बताया कि राजस्थान सरकार को पश्चिम बंगाल सरकार से बातचीत कर प्रभावित व्यापारियों का पुनर्वास सुनिश्चित कराने का प्रयास करना चाहिए। अग्निकांड से निपटने में ढिलाई के लिए पश्चिम बंगाल सरकार को दोषी मानने से इनकार कर उन्होंने कहा कि इस मामले में आग बुझाने वाले विभागों में समन्वय की कमी अवश्य देखी गई। प्रभावित व्यापारियों की मदद के लिये बी के बिड़ला ने दो करोड रुपए देने की घोषणा की है। अन्य उद्योग घरानों से सहायता ली जाएगी। व्यापारियों का कहना है कि शुक्रवार की रात जमना लाल बजाज स्ट्रीट की त्रिपाल पट्टी में लगी आग पर तत्काल काबू नहीं पाया गया तथा व्यापारियों के कहने के बावजूद सीधा गंगा से पानी लाने में देरी की गई।

Press Clipping

Publication : Dainik Navjyoti
Date : Friday, January 18, 2008
Edition : Jaipur
Page : 5

सीबीआई से हो कोलकाता अग्निकांड की जांच : कांग्रेस

जयपुर, 17 जनवरी। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष परसराम मोरदिया के नेतृत्व में कोलकाता के बड़ा बाजार की अग्नि दुर्घटना का जायजा लेकर लौटे कांग्रेस के शिष्टमण्डल ने घटना में बंगाल सरकार की लापरवाही को इंगित करते हुए इसकी सीबीआई से जांच कराए जाने की मांग की है।

मोरदिया के साथ दौरा करके लौटे विधायक गोपाल बाहेती, महादेव सिंह खण्डेला, राजेन्द्र पारीक और भवानी शंकर शर्मा ने गुरुवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि आग लगने के 12 घंटे बाद तक उसको बुझाने का कोई प्रयास नहीं किया जाना बंगाल सरकार की लापरवाही का सबसे बड़ा उदाहरण है। हमने दो घंटे तक क्षेत्र का दौरा किया, प्रभावित व्यापारियों से बातचीत की और उसके आधार पर राज्यपाल गोपाल गांधी से मुलाकात कर पीड़ितों को उचित मुआवजा देने, उनके मकानों की मरम्मत कराने और उन्हें वहीं बसाने की मांग की। राज्यपाल से आग्रह किया गया कि वे पीड़ितों को न्याय दिलाएं।

Press Clipping

Publication : Daily News
Date : Friday, January 18, 2008
Edition : Jaipur
Page : 7

कोलकाता में आग के लिए बंगाल सरकार दोषी

सीबीआई जांच की मांग

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल जयपुर लौटा

डेली न्यूज़ ब्यूरो. जयपुर

कोलकाता गए प्रदेश कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने वहां बड़ा बाजार में हुए अग्निकांड के लिए पश्चिम बंगाल सरकार को दोषी बताया है। प्रतिनिधिमंडल ने वहां के राज्यपाल से अग्निकांड की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। पीड़ितों की सहायता के लिए प्रदेश कांग्रेस केंद्र सरकार पर भी दबाव बनाएगी।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष परसराम मोरदिया ने गुरुवार को बताया कि पीड़ितों से बातचीत में सामने आया कि घटना में प. बंगाल सरकार ने पूरी तरह लापरवाही बरती है। यह शर्मनाक बात है कि तीन हजार से ज्यादा दुकानें खाक हो गईं और करीब चार लाख लोग प्रभावित हुए, फिर भी वहां की सरकार का कोई नुमाइंदा नहीं पहुंचा।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल प्रदेश कांग्रेस महामंत्री राजेंद्र पारीक, विधायक महादेव सिंह, श्रीगोपाल बाहेती और खादी बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष भवानीशंकर शर्मा ने कहा कि आग में एक हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है। प्रतिनिधिमंडल ने पश्चिम बंगाल के कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप भट्टाचार्य के साथ वहां राज्यपाल से भी मुलाकात की।

राज्यपाल के समक्ष रखी मांगें

- नुकसान का तुरंत आकलन कर उचित मुआवजा दिया जाए।
- खाक हुई दुकानों को उसी जगह मरम्मत कराकर व्यापारियों को फिर से बसाया जाए। जब तक यह काम पूरा हो, व्यापारियों को पास ही किसी इलाके में वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराया जाए।
- घटना की सीबीआई जांच कराई जाए।

Press Clipping

Publication : Rashtariya Sahara
Date : Friday, January 18, 2008
Edition : New Delhi
Page : 2

बड़ा बाजार अग्निकांड में हजार करोड़ का नुकसान

कोलकाता, 17 जनवरी (एजेंसी)। देश के व्यस्ततम व्यावसायिक केन्द्रों में से एक मध्य कोलकाता में बड़ा बाजार में गत सप्ताह लगी आग से करीब 1700 दुकानें राख हुई है और इससे एक हजार करोड़ रूपये की संपत्ति का नुकसान होने का अनुमान है।

भीषण अग्निकांड में राख हुई दुकानें

पत्रकारों से चर्चा में जयपुर से आये चैम्बर आफ टेक्सटाइल ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज के सचिव बुलाकी दास मिमानी ने कहा कि करीब 1700 दुकानें स्वाह हो गई हैं। इससे लगभग 15 हजार लोगों को बेरोजगारी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक तौर पर एक हजार करोड़ के नुकसान होने का अनुमान है। श्री मिमानी ने बताया कि कोई भी व्यापारी किसी के सामने हाथ फैलाना नहीं चाहता। अगर कम दरों पर आसान किश्तों में ऋण मिल जाए तथा पुश्तैनी दुकान मिल जाए तो वे मेहनत एवं साहस के साथ फिर व्यापार खड़ा कर सकते है। अग्निकांड से प्रभावित व्यापारियों ने कहा कि सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि नियमों एवं पुनर्निमाण की आड़ में कहीं उन्हें दुकान से वंचित नहीं होना पड़े। इन व्यापारियों की मांग है कि जल्दी से जल्दी आग से प्रभावित भवनों का पुनर्निमाण किया जाए ताकि वे अपना व्यापार शुरू कर सकें।

व्यापारियों में इस बात का आक्रोश है कि जिन भवनों में आग लगी है अब उन्हें अवैध करार दिया जा रहा है जबकि वे 40 वर्ष पुरानी है तथा नियमानुसार लाइसेंस लेकर ही व्यापार किया जा रहा है। बड़ा बाजार में पीढ़ियों से व्यापार कर लखपति-करोड़पति बने अधिकतर राजस्थान मूल के व्यापारी रातों रात अर्स से फर्स पर आ गये। राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता चैप्टर के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़ ने बताया कि राजस्थान सरकार को पश्चिम बंगाल सरकार से बातचीत कर प्रभावित व्यापारियों का पुनर्वास सुनिश्चित कराने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रभावित व्यापारियों की मदद के लिये बी के बिड़ला ने दो करोड़ रुपये देने की घोषणा की है तथा अन्य उद्योग घरानों से सहायता ली जाएगी।

19

Press Clipping

Publication : Business Standard
Date : Friday, January 18, 2008
Edition : New Delhi
Page : 12

Kolkata fire

I

This refers to "Burrabazar blaze: 90% fire contained" (Jan 16). The mishap has exposed the utter incompetence and inadequacy of fire brigades in dousing fire. According to the reports, a shortage of water and sharp differences between the state fire brigade and Army on how to control the fire aggravated the problem. The army wanted to spray foam on the entire building, but the local fire department officials would have none of it.

Further, corporation officials will find it difficult to explain why the Nandaram building, which was declared illegal by the Supreme Court in 1986, was not completely demolished with only seven of the 21 floors shaved off. High-rise buildings in narrow congested localities do not provide access to fire engines and ambulances. Restrained access makes the rescue operation very difficult in an emergency.

The problem in a cloth market is exacerbated by the growing use of synthetic fabrics and garments which not only catch fire readily but also give off more smoke and noxious gases.

Civic authorities in all cities must learn lessons from the fire in Kolkata which has deprived thousands of workers of their livelihood. The government's ineptitude is compounded by the fact that West Bengal has a full-fledged minister for fire. Left parties who hector and lecture the Centre and other political parties on their performance must closely look at the shoddy management of their departments in a state that they have ruled for over two decades.

M M Gurbaxani, Bangalore

Traders check their shops gutted in the Burrabazar fire

II

The Burrabazar blaze in Kolkata is an excellent example of our inept handling of fire accidents. Even though the Army and fire brigade used all available fire-fighting equipment, they could not douse the fire timely.

First, no safety measures were followed in the building which was at the centre of the mishap. Huge quantities of white diesel were discovered in every room on every floor. The mindless storing of highly inflammable materials and not adhering to fire safety measures have been perennial problems on our part.

Further, there are two important elements to any fire-fighting tactic: how to douse the fire on time and how to prevent the fire from spreading. To contain the fire, the timely transportation of fire fighters and fire-fighting equipment is very important. For this, there should be wide roads in front of all big commercial buildings.

Secondly, clear blueprints on building structures should be supplied to the fire brigade so that fire fighters can prevent the blaze from spreading to other parts of the building/area. Unfortunately, this practice is not being followed in any Indian metro.

Worst of all, our fire fighters are not trained well. Unless there is a fire accident, they never come to terms with a raging fire head-on. Continuous learning involving daily mock fire-fighting is necessary if Indian fire fighters are to deliver. This apart, the video-graphing of major fire incidents should be made available so that fire fighters can see the footage later on to determine what went wrong in their fight against fire.

P Senthil Saravana Durai, Hyderabad

Readers should write to:
The Editor, Business Standard,
Nehru House,
4, Bahadur Shah Zafar Marg,
New Delhi 110 002,
Fax: (011) 23720201;
letters@bsmail.in

Press Clipping

Publication : Samachar Jagat
Date : Wednesday, January 16, 2008
Edition : Jaipur
Page : 1

यह आग कब बुझेगी

पूर्व उपराष्ट्रपति भैरो सिंह शेखावत मंगलवार को कोलकाता के बड़ा बाजार में अग्नि पीड़ितों को मिलने पहुंचे।

कोलकाता 15 जनवरी (वार्ता)। देश के सबसे बड़े थोक बाजार में लगी भीषण आग पर अग्निशमन कर्मियों और सेना के जवानों की कड़ी मशक्कत के बावजूद आज चौथे दिन भी काबू नहीं पाया जा सका। अग्निशमन मंत्री प्रतीम चटर्जी ने 90 प्रतिशत आग पर काबू पा लेने का दावा किया है लेकिन इसके बावजूद बहुमंजिली नंदराम मार्केट की ऊपर वाली मंजिलों के कई हिस्सों से रह रह कर लपटें उठ रही >शेष पृष्ठ आठ पर

जानकारी ले रहे हैं : वसुंधरा राजे

नई दिल्ली 15 जनवरी (वार्ता)। राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने आज कहा कि कोलकाता के बड़ा बाजार में भयंकर अग्निकांड के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए राज्य के मंत्री और विधायक वहां गए हुए हैं। सुश्री राजे ने यहां योजना भवन में आयोजित बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि कोलकाता से लौटने के बाद राज्य के मंत्री उन्हें तथ्यों से अवगत कराएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार देखेगी कि प्रभावित लोगों को किस >शेष पृष्ठ आठ पर

अब चिट्ठी..... (पेज एक से जारी)

सिफारिश नही कर सकती है क्योंकि सर्वे के नियम..नार्म्स.. बदल गए है। नए नियम..नाम्र्क्स.. प्रस्तावित हो चुके है उनके बाद ही नई रिपोर्ट व सिफारिश संभव है। पंचायती राज मंत्री ने कहा कि सरकार ने जितना कर सकती थी सभी कुछ कर दिया इससे ज्यादा कुछ भी किया जाना संभव नही है। फिर भी गुर्जर नेता आकर बात करले ताकि विशेष पैकेज मे और जो घट बढ हो सकती हो किया जा सके।

मंत्री गुर्जर ने कहा कि 21 जनवरी के दो गुटे के कार्यक्रम को रोकने तथा कानून व्यवस्था की तैयारी का जिम्मा गृहमंत्री के पास है। किसी भी घटना दुर्घटना के लिए जो पहल करेगा वही जिम्मेदार होगा।

पहले पुलिस ने गोली चलाई तो चलाने वाला फंसेगा और गुर्जरों ने कुछ किया तो वे उसके लिए उत्तरदाई होगे। उन्होंने कहा कि हमने सभी गुटों से कहा है कि वे अब भी बैठकर बात करे। लडाई झगडे घरनेप्रदर्शन व महापडाव से आरक्षण की समस्या का समाधान नही हो सकता है। उन्होंने कहा कि हम सभी गुजरों को मनाने का प्रयास कर रहे है और सभी हमसे सम्पर्क में है। मुख्यमंत्री ने बैंसला को भी घर बुलाया पर वे नही आए अब किसी को पुलिस फोर्स के जरिए जबरन नही बुलाया जा सकता। पंचायती राज मंत्री ने कहा कि वे गुर्जरो के लिए जनजाति में आरक्षण की मन से वकालात कर रहे है पर संवैधानिक पद पर होने से आंदोलन में भाग नहीं ले सकते है।

Press Clipping

Publication : Samachar Jagat
Date : Wednesday, January 16, 2008
Edition : Jaipur
Page : 9

कोलकाता व्यवसाईयों के पुर्नवास में उदारता बरती जाये : चैम्बर

जयपुर। देश के व्यस्तम व्यावसायिक केन्द्र मध्य कोलकाता का बडा बाजार चौथे दिन भी आग की लपटों में घिरे होने पर जयपुर चैम्बर ने राजस्थानियों के पुर्नवास हेतु तुरंत कदम उठाये जाने की मांग की है जिससे उन्हें राहत मिले। जयपुर चैम्बर के अनुसार बडे बाजार स्थित नंदराम काशीराम मार्केट की 13 मंजिली इमारत पूरी तरह प्रभावित हो जाने के साथ करीब 4000 दुकानें खाक हो गई जिनमें 80 प्रतिशत राजस्थानियों की हैं। करीब 300 करोड रुपयों से ज्यादा की संपत्ति की नुकसान हुआ हैं। उललेखनीय है कि इस बाजार में प्रवासी राजस्थानियों द्वारा होजरी, ऊनी एवं सूती कपडों के साथ प्लास्टिक का मुख्यत थोक एवं खुदरा व्यापार किया जाता हैं। जयपुर चैम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री के अध्यक्ष सुमेर कुमार जैन एवं मानद सचिव अजय कला के अनुसार बडे बाजार में लगी आग से प्रवासी राजस्थानियों की दुकानों को भारी क्षति पहुंची हैं। जयपुर चेम्बर के मानद सचिव अजय कला के अनुसार बडे बाजार के पीड़ित राजस्थानियों के पुर्नवास हेतु राज्य सरकार भी तुरन्त कार्यवाही करें।

Press Clipping
Publication : Mahaka Bharat
Date : Wednesday, January 16, 2008
Edition : Jaipur
Page : 14

आग पर अभी तक काबू नहीं

पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत ने बड़ा बाजार क्षेत्र का दौरा किया

कोलकाता, 15 जनवरी। देश के सबसे बड़े थोक बाजार में लगी भीषण आग पर अग्निशमन कर्मियों और सेना के जवानों की कड़ी मशक्कत के बावजूद मंगलवार को चौथे दिन भी काबू नहीं पाया जा सका।

अग्निशमन मंत्री प्रतीम चटर्जी ने 90 प्रतिशत आग पर काबू पा लेने का दावा किया है लेकिन इसके बावजूद बहुमंजिली नंदराम मार्केट की ऊपर वाली मंजिलों के कई हिस्सों से रह-रह कर लपटें उठ रही हैं। 13वीं मंजिल पर रखे गैस सिलेंडरों में सोमवार रात विस्फोट हो गया, जिसकी वजह से 11वीं मंजिल पर रखे ज्वलनशील पदार्थों ने आग पकड़ ली इसके बाद आग और भड़क गई। पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत ने बड़ा बाजार क्षेत्र का दौरा कर प्रभावित व्यापारियों से बातचीत की, जबकि उद्योगपति बीके बिड़ला ने उनके लिए दो करोड़ रुपए के अनुदान की घोषणा की। तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने राज्यपाल गोपाल कृष्ण गांधी से भेंट कर प्रभावितों को उचित मुआवजा दिलाने का अनुरोध किया। बड़ा बाजार की एक इमारत में शनिवार तड़के आग भड़की जो आसपास की इमारतों में फैल गई। इस अग्निकांड में करीब चार हजार दुकानें और आठ बहुमंजिली इमारतें जलकर नष्ट हो चुकी हैं। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 21 मंजिली नंदराम मार्केट की 13वीं मंजिल तक पानी की बौछार पहुंचाने के लिए हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स की अत्याधुनिक सीढ़ियां इस्तेमाल में लाई गई। उन्होंने बताया कि अग्निशमन गाड़ियां निकटवर्ती स्थानों से पानी लाने में जुटी हुई हैं। चटर्जी ने सोमवार को कहा था कि इमारत में ज्वलनशील पदार्थ भारी मात्रा में जमा थे और आग से बचाव के इंतजाम भी वहां नहीं किए गए थे। इस बीच सुश्री बनर्जी ने सरकार पर आरोप लगाया है कि उसके पास आपदा प्रबंधन प्रणाली नहीं थी और वह बड़ा बाजार के हालात पर काबू पाने में पूरी तरह नाकाम रही।

मोरदिया के नेतृत्व में आज कोलकाता जाएगा दल

जयपुर, 15 जनवरी (कासं)। कोलकाता में बड़ा बाजार में लगी आग से पीड़ित लोगों को सहायता पहुंचाने तथा वस्तुस्थिति का जायजा लेने के लिए प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष परसराम मोरदिया की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधिमण्डल बुधवार सुबह कोलकाता के लिए रवाना होगा। प्रतिनिधिमण्डल में प्रदेश कांग्रेस महामंत्री राजेन्द्र पारीक, विधायक महादेवसिंह, डॉ. श्रीगोपाल बाहेती व भवानीशंकर शर्मा शामिल है। प्रदेश कांग्रेस महामंत्री मुमताज मसीह ने बताया कि बड़ा बाजार में प्रदेश के शेखावाटी अंचल के व्यापारियों की दुकानें हैं जो काफी लम्बे समय से यहां व्यापार कर रहे हैं।

Press Clipping
Publication : Daily News
Date : Wednesday, January 16, 2008
Edition : Jaipur
Page : 20

कोलकाता में आग वामदलों की साजिश

भाजयुमो ने बंगाल सरकार का पुतला फूंका

मोरदिया आज कोलकाता जाएंगे

डेली न्यूज ब्यूरो. जयपुर

भाजपा युवा मोर्चा ने कोलकाता के बड़ा बाजार में लगी आग को भूमाफिया व बंगाल सरकार की साजिश बताते हुए आंदोलन की घोषणा की है। इसके विरोध में मोर्चा कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को बड़ी चौपड़ पर बंगाल सरकार का पुतला फूंका और मामले की सीबीआई से जांच की मांग की।

मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष अशोक लाहोटी ने बंगाल सरकार से आग से पीड़ित व्यापारियों को 10-10 लाख की आर्थिक सहायता देने, बाजार को सिरे से बसाने तथा प्रत्येक व्यापारियों को 50-50 लाख रुपए का सरकारी लोन देने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि 4 दिन में भी आग पर काबू नहीं

पाया जा सका। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्थानी व्यापारियों की तरक्की से बौखलाई बंगाल सरकार के इशारे पर गुंडों ने इस साजिश को अंजाम दिया है। सरकार पर्याप्त दमकलें तक उपलब्ध नहीं करवा रही है, इससे सरकार की साजिश की बू आ रही है।

कांग्रेस दल आज मिलेगा व्यापारियों से

आग से पीड़ित राजस्थानी व्यापारियों से मिलने के लिए प्रदेश कांग्रेस का शिष्टमंडल बुधवार सुबह विमान से कोलकाता जाएगा। दल में महामंत्री राजेंद्र पारीक, विधायक महादेव सिंह, गोपाल बाहेती व भवानीशंकर शर्मा शामिल हैं। ये नेता प. बंगाल के मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य से मिलकर अग्निकांड से पीड़ित राजस्थानी व्यापारियों को राहत दिलाने के प्रयास करेंगे। इसके अलावा ये पीड़ित व्यापारियों से भी मिलेंगे।

प्रभावितों के पुनर्वास की मांग

आग से राजस्थान के व्यवसायियों को सबसे ज्यादा नुकसान होने पर जयपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने भी प्रभावितों के पुनर्वास की मांग की है। चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष सुमेरकुमार जैन एवं मानद सचिव अजय काला ने कहा कि बड़ा बाजार में 80 प्रतिशत दुकानें राजस्थानियों की हैं। उन्होंने वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की है। उधर एसोसिएशन के अध्यक्ष बनेचंद जैन ने प. बंगाल सरकार पर प्रवासी राजस्थानियों के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया है।

Press Clipping
Publication : Rajasthan Patrika
Date : Wednesday, January 16, 2008
Edition : Jaipur
Page : 1

अब भी सुलग रहा है बड़ा बाजार

उनका-हमारा दर्द साझा

शेखावत, कोठारी और बिड़ला से मिलकर सुबक पड़े राजस्थानी व्यापारी

कोलकाता, 15 जनवरी (का.सं.)

बड़ा बाजार में पिछले चार दिनों से जारी आग में हुए नुकसान से पीड़ित राजस्थानी व्यापारी मंगलवार को अपनों से मिले तो फूटकर रोए। पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत, राजस्थान पत्रिका के सम्पादक गुलाब कोठारी और प्रख्यात उद्योगपति बसंत कुमार बिड़ला ने यहां प्रभावित व्यापारियों की व्यथा-कथा सुनी। उन्होंने व्यवसायियों को ढांढस बंधाया और हरसम्भव मदद का भरोसा दिया। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के अब तक नहीं पहुंचने से व्यापारियों में गहरा रोष है। नंदराम कटला में आग पर चौथे दिन भी काबू नहीं पाया जा सका। इसी बीच, यहां पहुंचे शेखावत और कोठारी से अपनी बर्बादी की दास्तां कहते व्यापारियों के आंसू झलक पड़े। शेखावत ने राज्यपाल गोपाल कृष्ण गांधी से भी मुलाकात की। शेष पेज 2 पर

अग्निकाण्ड
5वां दिन

राजस्थान लौटने का मन बना रहे कुछ व्यापारी- पेज 12
पेज 5 भी देखें

वसुंधरा राजे ने जताई नाराजगी

जयपुर। पश्चिम बंगाल सरकार के रवैये पर मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने रोष जताया है। उन्होंने आग बुझाने के गम्भीर प्रयास नहीं होने और सरकारी प्रतिनिधिमण्डल से हुए बर्ताव के विरोध में राज्यपाल गोपालकृष्ण गांधी से टेलीफोन पर बात की, वहीं मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य को चिट्ठी लिखी है। विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह ने भी भट्टाचार्य को पत्र लिखकर पीड़ितों को मुआवजा देने की मांग की है। शेष पेज 2 पर

मंगलवार को कोलकाता के बड़ा बाजार इलाके में लगी आग तथा घटनास्थल का निरीक्षण करते पूर्व उप राष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत और राजस्थान पत्रिका के सम्पादक गुलाब कोठारी। पत्रिका

कोई नहीं छीन सकता हक, अन्याय किया तो...

"व्यापारियों का हक कोई नहीं छीन सकता। यदि पश्चिम बंगाल सरकार ने कोई भेदभाव या अन्याय की कोशिश तो इस मुद्दे को संसद में जोरदार ढंग से उठाया जाएगा।
-भैरोंसिंह शेखावत, पूर्व उप राष्ट्रपति

Press Clipping
Publication : The Indian Express
Date : Wednesday, January 16, 2008
Edition : New Delhi
Page : 2

Rajasthan demands Rs 10 lakh compensation for fire victims

PRESS TRUST OF INDIA
JAIPUR, JANUARY 15

THE state Government on Tuesday demanded that West Bengal pay a compensation of Rs 10 lakh each to the Rajasthani traders who have suffered losses in the Burrabazar fire which destroyed over 3,000 shops.

The demand followed Rajasthan's earlier appeal to the Left Front Government to advance soft loans and provide temporary shelters to the affected traders in the country's largest wholesale market.

The high-level team which visited the site on Monday led by Rajasthan Education Minister Kali Charan Saraf, has estimated the damage at Rs 2,000 crore, an official release said on Tuesday. It has also demanded a CBI probe into the incident. Later, the team met West Bengal Governor Gopal Krishna Gandhi who assured them of necessary action to expedite the relief work.

The team, comprising former Union Minister Subhash Mehria, State Mines Minister Khema Ram Meghwal, MLAs Raj Kumar and Keshav Dev Babar, has promised the victims that the BJP Government would stand by them during their hour of need.

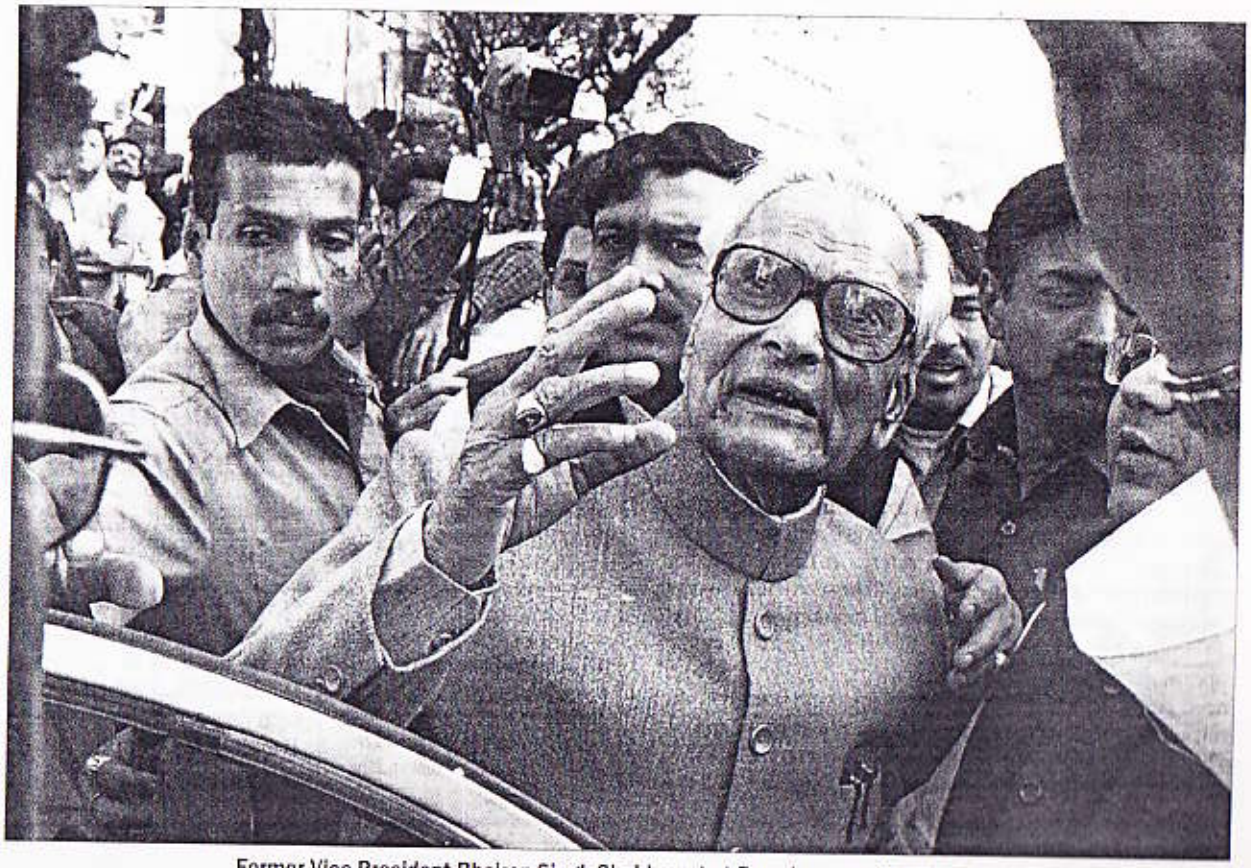

Former Vice-President Bhairon Singh Shekhawat at Burrabazar on Tuesday. *PTI*

Meanwhile, former Vice-President Bhairon Singh Shekhawat on Tuesday went to meet the affected traders at Nandaram Market in Burrabazar.

Though the traders tried their best to explain their plight to Shekhawat, there was immense chaos and confusion. Shekhawat was forced to leave within minutes.

Press Clipping
Publication : Indian Express
Date : Tuesday, January 15, 2008
Edition : New Delhi
Page : 2

Rajasthan team visits Burrabazar, asks for soft loans

PRESS TRUST OF INDIA
KOLKATA, JANUARY 14

A RAJASTHAN Government team on Monday visited the fire-ravaged buildings of Burrabazar and demanded that the West Bengal Government advance soft loans and provide temporary shelters to the affected traders.

"We will meet the Government authorities in the evening and request them to provide at least Rs five lakh as soft loans to the affected traders," Rajasthan Mining Minister Megwal told newsmen after visiting the affected Nandaram Market and its vicinity.

He said the traders should also be provided with temporary shelters. The six-member team, also includes the state's education minister, besides a number of MPs and MLAs.

Most traders in the affected buildings are Rajasthanis, mainly Marwaris. Stating that the fire was still raging at the Nandaram Market despite fire-fighting arrangements, Megwal said the matter would be discussed during the team's meeting with Government authorities. Asked whether he would ask the Rajasthan Government to provide financial help to the affected traders, he said the team would submit its report to Chief Minister Vasundhara Raje and let her decide.

Meanwhile, a number of mediapersons covering the incident in Burrabazar on Monday were injured, two of them seriously, when a group of unidentified men attacked them and damaged OB vans and cameras. Reporters of two leading Bengali channels — Kolkata TV and NE TV — sustained serious injuries.

The attackers, wearing 'Volunteer' badges, targeted vans of NDTV, TV Today, Times Now and Sahara Samay, besides damaging the cameras of a leading Bengali news channel 24-Ghanta, accusing the media of not highlighting the losses suffered by the traders in the fire properly.

Press Clipping

Publication : Nafa Nuksan
Date : Wednesday, January 16, 2008
Edition : Jaipur
Page : 3

कोलकाता व्यवसायियों के पुर्नवास में उदारता बरती जाए

जयपुर। कोलकाता के व्यस्ततम व्यावसायिक केन्द्र बड़ा बाजार में बार दिन पूर्व हुए आग हादसे पर जयपुर चैम्बर ने चिंता जताते हुए राजस्थानी व्यवसायियों के पुर्नवास हेतु तुरन्त कदम उठाने की मांग की है। चैम्बर के अनुसार इस हादसे में तकरीबन 300 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इस बाजार में राजस्थानियों की होजरी, ऊनी एवं सूती कपड़ों की दुकानें हैं। इस हादसे को देखते हुए फैडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एण्ड इण्डस्ट्री ने भी नगरीय विकास मंत्री सुरेन्द्र गोयल को पत्र लिखकर कहा है कि जयपुर के व्यस्त बाजारों की दुकानों को बाहरी क्षेत्रों में स्थानान्तरित किया जाए ताकि कोई हादसा यहां नहीं हो।

- कार्यालय संवाददाता

Press Clipping

Publication : Dainik Navjyoti
Date : Wednesday, January 16, 2008
Edition : Jaipur
Page : 5

राजस्थानियों से सौतला व्यवहार

जयपुर, 15 जनवरी। राजस्थान के व्यापारी संगठनों ने कोलकाता में बड़ा बाजार में अग्निकांड मामले में प्रवासी राजस्थानियों के साथ हुए व्यवहार की कड़ी निंदा की है। संगठनों ने वामपंथी सरकार पर सौतेले व्यवहार का आरोप लगाया है।

फैडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एण्ड इण्डस्ट्री फोटी के अध्यक्ष आर.एस. कैमनी और महामंत्री प्रेम बियानी ने कहा है कि बड़ा बाजार में हुए अग्निकांड में राहत कार्य असंतोषजनक हैं। बियानी ने कहा है कि वहां की राज्य सरकार राजस्थानी व्यापारियों की उपेक्षा कर रही है। ऑल राजस्थान एग्रीकल्चर ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष बनेचन्द जैन और महासचिव दिनेश भाटिया ने कहा कि बड़ा बाजार में तीन हजार से ज्यादा दुकाने जल चुकी हैं और तीन सौ करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो चुका है।

पश्चिमी बंगाल की वामपंथी सरकार को चाहिए कि अग्निकांड की सीबीआई से जांच कराए। जयपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री ने भी राजस्थानी व्यापारियों के पुनर्वास की मांग की है। जयपुर चैम्बर के अनुसार बाजार में लगी आग में हुए नुकसान में अस्सी प्रतिशत नुकसान राजस्थानियों का हुआ है। पश्चिम बंगाल सरकार को चाहिए कि हादसे की जांच कराकर राहत कोष बनाया जाए ताकि व्यापारियों को सहायता प्राप्त हो सके।

Press Clipping
Publication : Daily News
Date : Sunday, January 13, 2008
Edition : Jaipur
Page : 8

तपन राजस्थान में भी

कोलकाता स्थित बड़ा बाजार में लगी आग की तपन राजस्थान में भी महसूस की गई। राज्य के विभिन्न इलाकों के प्रवासी व्यापारियों की हजारों दुकानें राख हो गई और अरबों का माल स्वाहा हो गया। पेश है राज्यभर से मिली रिपोर्ट :

बीकानेर। बीकानेर क्षेत्र के प्रवासी व्यापारियों की ढाई हजार दुकानें स्वाहा हो गई। नंदलाल मार्केट व गणेश भगत कटले में नापासर, सींथल, देशनोक, नोखा, गंगाशहर, भीनासर के सैकड़ों व्यापारी पीढ़ियों से व्यापार कर रहे हैं, जिसे इस आग ने चौपट कर दिया। नंदराम मार्केट के मालिक प्रकाश दुग्गड़ और व्यापारी जयकिशन डागा ने कोलकाता से फोन पर बताया कि आग से तिरपाल, कपड़ा, कम्बल, प्लास्टिक, शूटिंग-शर्टिंग का अरबों का माल स्वाहा हो गया। आग से प्रभावित व्यापारियों के बीकानेर जिले रह रहे परिवारों में इस आग की सूचना से हाहाकार मचा हुआ है। यहां आग की घटना की दिनभर चर्चा होती रही। लोग परिजनों से घटना के बारे में जानकारी लेते रहे।

कोलकाता बड़ा बाजार

सीकर। सीकर, चूरू और झुंझुनूं जिले के हजारों व्यापारी प्रभावित हुए हैं। यहां रह रहे उनके परिवार के लोग लगातार फोन पर आग की जानकारी लेते रहे। किसका-कितना नुकसान हुआ है, इसका पता नहीं लग पाया, लेकिन आग से प्रभावित क्षेत्र की दुकानों में एक तिहाई से ज्यादा दुकानें इस क्षेत्र के लोगों की होने से यहां के लोगों का करोड़ों रुपए का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। सरदारशहर निवासी व कोलकाता प्रवासी त्रिलोकचंद डागा ने बताया कि आग से प्रभावित बहुमंजिला इमारतों में से एक नंदराम कटरा बिल्डिंग चूरू जिले के ही निवासी माणिकचंद सेठिया की है। इस वजह से इस बिल्डिंग में सबसे ज्यादा थोक की दुकानें चूरू जिले के लोगों की ही है।

भीलवाड़ा। कोलकाता के बड़ा बाजार में लगी भीषण आग को लेकर हलचल भीलवाड़ा में भी दिखाई दी। भीलवाड़ा के कपड़ा एजेन्ट विनोद पीतलिया ने बताया कि उनका कार्य क्षेत्र कोलकाता बाजार है। कोलकाता के नंदराम मार्केट में 30-40 व्यापारियों को यहां का कपड़ा भेजा जाता है। भीलवाड़ा से कोलकाता कपड़ा भेजने वाले कई व्यावसायी चिंतित नजर आए। कपड़े की क्षति के सम्बंध में अभी पुख्ता सूचना नहीं मिल पाई है।

Press Clipping
Publication : Daily News
Date : Sunday, January 13, 2008
Edition : Jaipur
Page : 1

कोलकाता में आग , 2500 दुकानें खाक

एजेंसी. कोलकाता

कोलकाता के भीड़भाड़ वाले बड़ा बाजार इलाके में शुक्रवार देर रात लगी आग पर शनिवार रात तक काबू नहीं पाया जा सका। इस भयंकर आग में करीब 2500 से अधिक दुकानें और सात बहुमंजिली इमारतें जल कर खाक हो गयी और करोड़ों की संपत्ति का नुकसान हो गया।

बड़ा बाजार के जमनालाल बजाज स्ट्रीट में देर रात लगभग डेढ़ बजे आग लग गयी। सूत्रों के अनुसार शहर के मुख्य व्यावसायिक इलाके में लगी यह भयंकर आग आस पास के इलाकों को चपेट में ले रही है। उन्होंने बताया कि आपदा प्रबंधन और त्वरित कार्यबल (आर ए एफ) की टीम को इलाके में तैनात किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आग बुझाने तथा बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूरे महात्मा गांधी रोड को खाली करा लिया गया है। (शेष पेज 6 पर)

45 दमकलें पर आग बेकाबू

सरकारी सूत्रों के मुताबिक अंतिम सूचना तक दमकल की 45 गाड़ियां आग बुझाने में लगाई गई, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। यह आसपास की दुकानों और इमारतों तक फैल रही थी।

बड़ा बाजार इलाके में आग व धुएं का गुबार और बचाव कार्य।

कोलकाता में आग, 2500...

स्थानीय लोगों की सुरक्षित स्थानों में स्थानांतरित किया जा रहा है। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बिजली कट जाने से पास के मलिकघाट पंपिग स्टेशन से पानी की आपूर्ति नहीं हो पाने के कारण आग बुझाने में समस्या आ रही है। आग लगने के कारणों का पता नही चल सका है।

Press Clipping
Publication : Dainik Bhaskar
Date : Sunday, January 13, 2008
Edition : Jaipur
Page : 1

कोलकाता के बड़ा बाजार में आग

एजेंसी. कोलकाता

मध्य कोलकाता के व्यस्ततम व्यावसायिक इलाके बड़ा बाजार में शुक्रवार देर रात दो बजे लगी आग में कई दुकानें जलकर खाक हो गईं। आग ने आसपास की इमारतों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस अग्निकांड में करोड़ों रुपए की संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। आग बुझाने के लिए सेना की मदद ली गई। इस अग्निकांड में किसी के मारे जाने या घायल होने की सूचना नहीं है। जमनालाल बजाज क्षेत्र में फैली इस आग से कपड़े और तारपोलीन की दुकानों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है।

जांच के आदेश : आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। मंत्री चटर्जी ने कहा कि इस मामले की जांच एक उच्चस्तरीय समिति से कराई जाएगी।

2500 दुकानें स्वाहा, अधिकांश राजस्थानियों की

कोलकाता के बड़ा बाजार में हजारों दुकानें हैं। इनमें लगभग 80 फीसदी दुकानें राजस्थानियों, खासकर शेखावाटी के लोगों की है। कपड़ों और किराना की यहां स्थित दुकानों पर पूरी तरह राजस्थान के लोग काबिज हैं। इस आग से सर्वाधिक नुकसान इन्हें ही हुआ है।

■ कोलकाता. 19 घंटों के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

Press Clipping

Publication : Rajasthan Patrika
Date : Sunday, January 13, 2008
Edition : Jaipur
Page : 1

कोलकाता में आग झुलसा राजस्थान

कोलकाता/सीकर/बीकानेर, 12 जनवरी (पत्रिका टीम)

कोलकाता के बड़ा बाजार इलाके में लगी भीषण आग में ढाई हजार से अधिक दुकानें खाक हो गईं। आग से 250 करोड़ रुपए से अधिक के नुकसान की आशंका है। इस आग से सर्वाधिक नुकसान राजस्थानी व्यापारियों को हुआ है। प्रभावित क्षेत्र में करीब 60 प्रतिशत दुकानें राजस्थान के चूरू, सीकर एवं बीकानेर जिले के व्यापारियों की हैं। शुक्रवार आधी रात के लगी इस आग को बुझाने में 48 दमकलें लगी रहीं, लेकिन शनिवार रात तक काबू नहीं पाया जा सका।

आग में 12 दमकल कर्मी समेत 13 जने घायल हुए हैं। इधर, राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में लोग अपने परिजनों की खैर-खबर के लिए चिंतित रहे। शेष पेज 4 पर

2500
दुकानें खाक, बड़ा बाजार में हादसा

60%
दुकानें बीकानेर चूरू, सीकर के लोगों की

250
करोड़ के नुकसान की आशंका

48
दमकलें लगीं

कोलकाता में आग...

शुक्रवार रात करीब 12.45 पर 76, जमनालाल बजाज स्ट्रीट स्थित एक दुकान में आग लगी। देखते ही देखते आग ने समीप की कई बहुमंजिला इमारतों समेत 13 मंजिला नंदराम कटला भवन एवं तिरपाल पट्टी बाजार को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग में सर्वाधिक प्रभावित नंदराम कटला की इमारत चूरू निवासी मणिक चंद सेठिया की है। इस बाजार में सर्वाधिक दुकानें भी चूरू एवं बीकानेर के व्यापारियों की हैं। बाजार में कुल 970 दुकानें और गोदाम हैं। जिनमें से चौथी मंजिल से लेकर 10वीं मंजिल तक की सभी दुकानें जलकर राख हो गई हैं। बड़ा बाजार की आग ने भयावह रूप इसलिए लिया, क्योंकि यह कपड़ा, ऊन और प्लास्टिक का थोक और खुदरा बाजार है। ज्वलनशील वस्तु होने के कारण यह आग तेजी से फैलती चली गई। राजस्थानी व्यापारियों के यहां मुख्यतः कपड़े और प्लास्टिक सामग्री के गोदाम एवं दुकानें हैं।

Press Clipping

Publication : Punjab Kesari
Date : Sunday, January 13, 2008
Edition : New Delhi
Page : 1

कोलकाता में आग से 2500 दुकानें राख

भाषा/कोलकाता

मध्य कोलकाता के एक प्रमुख व्यावसायिक केन्द्र 'बड़ा बाजार' में शनिवार तड़के लगी आग में 2500 से अधिक दुकानें राख हो गईं। इस बीच अग्निशमन विभाग ने दावा किया कि आग शुरू होने के स्थान के पास काबू पा लिया गया है।

■ तड़के लगी आग में अरबों की क्षति : संकरे बाजार और पानी न होने से आग बुझने में नहीं आ रही

अग्नि मंत्री. प्रतीम चटर्जी ने बताया कि आग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग जमनालाल बजाज स्ट्रीट में स्थित एक घर में तड़के दो बजे शुरू हुई और जल्दी ही इसने पास की दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को अपनी चपेट में ले लिया। इलाके में कई दुकानें कपड़े और तिरपाल की थीं जिनमें आसानी से आग लग गयी। चटर्जी ने कहा कि आग पर काबू पाने के लिए कम से कम 40 दमकल गाड़ियों को लगाया गया। आग शुरू होने के स्थान पर काबू पा लिया गया है लेकिन 11 घंटों के बाद भी अग्निशमन कर्मचारी आग बुझाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि अभी यह नहीं कहा जा सकता कि आग पर काबू पाने में कितना समय और लगेगा उन्होंने कहा कि अग्निशमन विभाग के कर्मचारी घटनास्थल पर दो बजे ही पहुंच गए लेकिन बिजली नहीं होने तथा पानी के अभाव में तत्काल अभियान नहीं शुरू किया जा सका। चटर्जी ने कहा, '' हमारे लोग तीन बजे ही अभियान शुरू कर सके। अगर हम लोग दो बजे काम शुरू कर देते तो अब तक आग पर काबू पा लिया गया होता।'' उन्होंने कहा कि इलाके की अधिकतर दुकानें ज्वलनशील पदार्थों की थीं जिससे आग को फैलने में देर नहीं

▶ शेष पृष्ठ 2 पर ||

कोलकाता में आग...

लगी। इलाके में प्लास्टिक, कपड़े और तिरपाल की दुकानें थी।

उन्होंने कहा कि आग अब 13 मंजिले नंदलाल मार्किट में फैल गयी। ''इस मार्केट में कितनी दुकानें हैं इस बारे में हमें जानकारी नहीं है। इसकी जानकारी सिर्फ इमारतों के मालिकों को ही है और हम उनसे बातचीत करेंगे।'' आग के कारण का पता नहीं लग सका है। चटर्जी ने कहा कि घटना की जांच के लिए जल्दी ही एक उच्चस्तरीय समिति गठित की जाएगी।

इस बीच रक्षा सूत्रों ने बताया कि राज्य सरकार से अनुरोध के बाद सेना तथा वायुसेना से एक-एक दमकल गाड़ी भेजी गयी है। चटर्जी ने कहा कि 52 मीटर ऊंची सीढ़ियों का उपयोग किया जा रहा है। यह सीढ़ियां विश्व की दूसरी सबसे ऊंची सीढ़ी हैं और इनका उपयोग बचाव कार्य के लिए किया जाता है।

Press Clipping
Publication : Hindustan Times
Date : Sunday, January 13, 2008
Edition : New Delhi
Page : 6

Over 2,500 shops gutted in Kolkata

Kolkata, January 12

OVER 2,500 shops were gutted and property worth crores destroyed in a devastating fire that broke out in Burrabazar, one of the busiest commercial hubs in central Kolkata, early this morning, even as the fire brigade claimed to have contained the blaze near its place of origin.

However, there were no casualties in the fire that started from a house at 2 AM on Jamnalal Bajaj Street and soon engulfed nearby buildings and commercial establishments housing cloth and tarpaulin shops in the area, Fire Minister Pratim Chatterjee said.

He said that at least 40 fire tenders were pressed into service. "Though the fire has been contained in the place of origin, the firefighters are battling to douse the flames after almost eleven hours. We don't know how long it would take to bring the fire fully under control."

The Minister said the fire brigade had reached the spot at two o'clock but could not immediately begin the work owing to a power cut in the area and shortage of water supply.

"Our men could finally begin work around 3 AM. If we could begin work from 2 AM, much of the blaze could have been contained by now," he said, adding that since most of the buildings in the area were hoarded with inflammable materials like plastics, clothing materials and tarpaulin, "firemen are facing difficulty in preventing the blaze from spreading".

Stating that "the fire has now spread to the 13-storeyed Nandalal Market", Chatterjee said: "We do not know how many shops are there in the market. Only the owner of the building knows. We will talk to him." Though the actual cause of the fire is yet to be ascertained, the Minister said that a high-level committee would soon be set up to probe the incident.

Since most of the buildings in the area were hoarded with inflammable materials like plastics, cloth and tarpaulin, firemen are facing Odifficulty in preventing the blaze from spreading

Mamata slams govt

As the authorities struggled to contain a devastating fire at the Burrabazar wholesale market, Trinamool Congress chief Mamata Banerjee on Saturday accused the West Bengal government of failing to have a proper disaster management mechanism.

"There is no proper disaster management system to contain major fires like this. It is surprising that the fire could not be contained even after 12 hours," she told reporters at the site of the fire.

She said if the blaze was caused by petroleum products, there there should have been proper measures to deal with it. There could have been casualties, she said. PTI

Press Clipping

Publication : Mahaka Bharat
Date : Sunday, January 13, 2008
Edition : Jaipur
Page : 1

बेकाबू आग

3000 दुकानें जलीं

8 बहुमंजिला भी स्वाहा

करोड़ों का नुकसान

कोलकाता के बड़ा बाजार में भीषण हादसा

कोलकाता, 12 जनवरी। कोलकाता के भीड़भाड़ वाले बड़ा बाजार इलाके में लगी आग पर शनिवार देर रात तक काबू नहीं पाया जा सका। इस भयंकर आग में लगभग 3000 दुकानें और आठ बहुमंजिली इमारतें जल कर खाक हो गई और करोड़ों की संपत्ति का नुकसान हुआ है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक दमकल की 40 गाड़ियां आग बुझाने में लगाई गई हैं। लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका है और यह आस-पास की ▸▸शेष पृष्ठ 10 पर

कोलकाता के

दुकानों और इमारतों तक फैल गई है। बड़ा बाजार के जमनालाल बजाज स्ट्रीट में शुक्रवार देर रात लगभग डेढ़ बजे आग लग गई। शहर के मुख्य व्यावसायिक इलाके में लगी यह भयंकर आग आस-पास के इलाकों को चपेट में ले रही है। आपदा प्रबंधन और त्वरित कार्यबल (आरएएफ) की टीम को इलाके में तैनात किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आग बुझाने तथा बचाव कार्यों की निगरानी में लगे हैं। पूरे महात्मा गांधी रोड को खाली करा लिया गया है और स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जा रहा है। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बिजली कट जाने से पास के मलिकघाट पंपिंग स्टेशन से पानी की आपूर्ति नहीं हो पाने के कारण आग बुझाने में समस्या आ रही है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

Press Clipping
Publication : Dainik Bhaskar
Date : Tuesday, January 15, 2008
Edition : Jaipur
Page : 1

बड़ा बाजार की आग में भूमाफिया का हाथ

राजस्थान से गए सरकारी दल की बंगाल के मंत्री से झड़प, तीसरे दिन भी बड़ा बाजार में नहीं बुझी आग

भास्कर न्यूज. सीकर/जयपुर

कोलकाता के बड़ा बाजार में अग्निकांड से प्रवासी राजस्थानियों को हुए नुकसान का जायजा लेने गए राजस्थान सरकार के प्रतिनिधिमंडल की सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार के दमकल मंत्री प्रतिम चटर्जी से झड़प हो गई। स्थिति यहां तक पहुंच गई कि मंत्री चैंबर छोड़कर भाग गए। बाद में दल ने राज्यपाल गोपाल कृष्ण गांधी से मिलकर वहां की सरकार के प्रति रोष व्यक्त किया। उधर आग पर तीसरे दिन भी पूरी तरह नियंत्रण नहीं पाया जा सका। शिक्षा मंत्री कालीचरण सराफ के नेतृत्व में कोलकाता पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने घटनास्थल पर जाकर राजस्थानी व्यापारियों से बातचीत की।

सराफ और महरिया ने कहा कि अग्निकांड के पीछे बंगाल के भूमाफिया का हाथ होने की आशंका है। बड़ा बाजार से मारवाड़ी व्यापारियों को हटाने के लिए ऐसा किया गया लगता है। मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए। राजस्थानी प्रतिनिधिमंडल में सांसद सुभाष महरिया, खान राज्य मंत्री खेमराम मेघवाल, विधायक केडी बाबर और राजकुमार रिणवा आदि थे।

मीडिया पर उतारा गुस्सा : कोलकाता के बड़ा बाजार में लगी आग तीसरे दिन भी धधकती रही। प्रभावित लोग सोमवार को इतने परेशान हो गए कि उन्होंने अपना गुस्सा हादसे का सीधा प्रसारण कर रहे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर उतार दिया। इसमें दो लोग घायल हो गए।

Press Clipping
Publication : Daily News
Date : Tuesday, January 15, 2008
Edition : Jaipur
Page : 1

कोलकाता की आग बेकाबू सेना भी लाचार

एजेंसी. कोलकाता

बड़ा बाजार के नंदराम मार्केट में शुक्रवार रात को लगी आग बुझने का नाम नहीं ले रही है। सौ घंटों के बाद भी आग का तांडव जारी है। सोमवार को भी नंदराम मार्केट की दसवीं से तेरहवीं मंजिल तक आग धधकती रही। बीच-बीच में एयरकंडीशनर के फटने की आवाज भी सुनाई दे रही थी। दमकल व सेना के प्रयासों के बावजूद आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। आग के आगे सेना भी लाचार नजर आने लगी है। अब तो सेना और दमकल विभाग भी बेबस से पूछने लगे हैं- ये आग कब बुझेगी? (शेष पेज 4 पर)

सीबीआई जांच की जाए : सराफ

कालीचरण सराफ ने इस अग्निकांड के पीछे निहित साजिश की आशंका व्यक्त करते हुए कहा कि बड़ा बाजार इलाके की अधिकतर दुकानों में प्रवासी राजस्थानी व्यापारी काफी पुराने किराएदार हैं। इस कीमती जमीन को हथियाने के लिए दुकान मालिक भू-माफिया से मिलकर अग्निकांड की साजिश रच सकते हैं इसलिए प्रकरण की सीबीआईजांच करायी जानी चाहिए। (पेज-15 भी देखें)

कोलकाता की आग...

हल्दिया से गगनचुम्बी सीढ़ी तथा बैरकपुर से वायु सेना की टीम को बुलाया गया है। हेलीकॉप्टर को भी तैयार रखा गया है। इस आग में अब तक चार हजार दुकानें जल गई हैं तथा दो हजार करोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान है। दमकल व सेना के बीच समन्वय के अभाव के कारण रविवार की आधी रात के बाद कुछ देर के लिए आग बुझाने का कार्य बंद रहा। आसपास के इलाकों से आवाजाही रोक दी गई है। कुछ इलाकों को खाली भी करवाया गया है। इस बाजार में अधिकांश दुकानें राजस्थानी प्रवासियों की हैं। नंदराम मार्केट इमारत में दो ब्लॉकों काशी राम ब्लॉक व नंदराम ब्लॉक के ऊपरी मंजिलें अभी भी धू-धू कर जल रही हैं। तिरपाल पट्टी व अन्य जली दुकानों के ध्वंसावशेषों को तोड़कर मलबा हटाने का काम भी शुरू किया गया है। अग्निकांड का जायजा लेने के लिए राजस्थान के शिक्षा मंत्री कालीचरण सराफ की अगुवाई में सांसदों और विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को इलाके का दौरा किया और पीड़ित व्यापारियों से मिला।

बड़ा बाजार आग में षड्यंत्र की बू-माथुर : भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश माथुर ने कोलकाता के बड़े बाजार में राजस्थानियों की दुकानों में आग को पश्चिमी बंगाल सरकार व भूमाफियों का षड्यंत्र बताते हुए निंदा की है। माथुर ने कोलकाता के प्रवासी राजस्थानियों से कहा कि राजस्थान सरकार व पार्टी उनके साथ है, वे अपने को अकेला न समझें। सरकार उनका नुकसान नहीं होने देगी। प्रतिनिधि मंडल की रिपोर्टको उचित मंच पर रखकर उनकी सहायता के लिए कदम उठाएगी।

Press Clipping

Publication : Rashtradoot
Date : Tuesday, January 15, 2008
Edition : Jaipur
Page : 9

कोलकाता गये राजस्थान सरकार के प्रतिनिधि मण्डल को पश्चिम बंगाल के मंत्री ने दुत्कारा

-कार्यालय संवाददाता-

-जयपुर। कोलकत्ता के बड़े बाजार में गत 72 घन्टे लगी आग को बुझाने में पंश्चिम बंगाल की सरकार नाकामयाब रही और जब राजस्थान सरकार का प्रतिनिधि मंडल वहां के मुख्यमंत्री से इस सम्बन्ध में मिलने गया तो मुख्यमंत्री ने मिलने के बजाय दमकल मंत्री को भेज दिया।

राजस्थान के शिक्षक मंत्री कालीचरण सर्राफ के नेतृत्व में गये प्रतिनिधी मंडल ने जब उनसे बड़े बाजार में लगी आग के बारे में बात करना शुरू किया तो झल्लाकर दमकल मंत्री ने राजस्थान के मंत्री को कहा 'चले जाइये, मुझे कोई बात नहीं करनी आपसे।'

पश्चिम बंगाल के मंत्री द्वारा इस तरह राजस्थान सरकार के मंत्री को दुत्कारने की घटना को यहां गम्भीरता से लिया गया है।

प्रदेश भाजपा पश्चिम बंगाल सरकार के इस दुष्कृत्य के लिए निन्दा करती है तथा वहां के मुख्य मंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य को इस दुष्कृत्त के लिए राजस्थान की जनता एवं सरकार से क्षमा याचना करते हुए दमकल मंत्री के पद से हटाना चाहिए। पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री का यह व्यवहार इस आशंका को और बलवती करता है कि बड़ा बाजार को खाली करवाने के लिए मकान मालिक एवं भूमाफियाओं का षड़यंत्र है जिसके कारण समय पर दमकलें नहीं आना, दमकलों के लिए पानी का अभाव, बड़े बाजार को आगबुझाने के लिए सेना को सुपुर्द नहीं करना आदि वामपंथी राज्य सरकार की साठगांठ की ओर संकेत करते हैं।

- बड़ा बाजार अग्निकांड के बारे में बातकरने गये तो मुख्यमंत्री नहीं मिले
- दमकल मंत्री ने कहा 'कोई बात नहीं करनी, चले जाइये'
- भाजपा द्वारा पश्चिम बंगाल सरकार की निन्दा
- अग्निकांड में सांठगांठ की आशंका बलवती हुई

राजस्थान प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता ने बताया कि कोलकता के बड़े बाजार के अग्निकांड से पीड़ितों के लिए पूरा राजस्थान उनके साथ एकड़ा है और प्रदेश की जनता एवं राज्य सरकार उनके लिए हर सम्भव प्रयास करेगी। उल्लेखनीय है कि कलकत्ता के बड़ा बाजार में शुक्रवार को लगी आग अभी तक नहीं बुझ पाई है।

बड़ा बाजार आग में 60 प्रतिशत दुकानें राजस्थानी व्यापारियों की

जयपुर। गत शुक्रवार रात एक बजे कोलकाता के सबसे बड़े व्यावसायिक केन्द्र बडाबाजार इलाके में लगी भयावह आग अब तक पूरी तरह काबू में नहीं आ सकी है।

प्रवासी राजस्थानी बहुल इस इलाके के नंदराम मार्केट, तिरपाल पट्टी, काशी कटरा समेत पांच बहुमंजिली इमारतों समेत करीब 4000 दुकानें खाक हो गई है। इससे 125 करोड़ रुपये से ज्यादा की सम्पत्ति का नुकसान हुआ है। अनुमानत: प्रभावित 60 प्रतिशत दुकानें राजस्थानी व्यापारियों की है। किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

दमकल के साथ-साथ सेना भी आग बुझाने का काम कर रही है। दमकल कर्मी आग को रात तक काबू मे लाने की उम्मीद कर रहे है। दो दिनों से दमकल की करीब 40 गाड़ि आग बुझाने के काम में लगी हुई है।

बड़ा बाजार इलाका कोलकाता के प्रवासी राजस्थानी व्यापारियों का प्रमुख केन्द्र है। यहां से देशभर में होजरी और सूती कपडा भेजा जाता है।

Press Clipping

Publication : Mahaka Bharat
Date : Tuesday, January 15, 2008
Edition : Jaipur
Page : 1

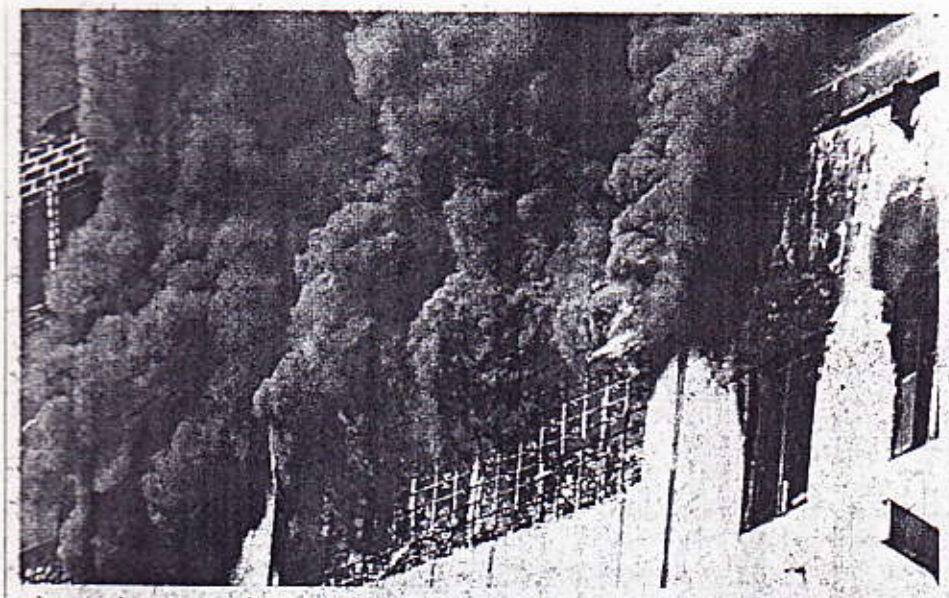

कोलकाता के बड़ा बाजार में शनिवार तड़के लगी आग पर सोमवार को भी काबू नहीं पाया जा सका।

अब हेलीकॉप्टर बुझाएंगे आग!

कोलकाता, 14 जनवरी। देश के व्यस्ततम व्यावसायिक केंद्र मध्य कोलकाता का बड़ा बाजार सोमवार को तीसरे दिन भी आग की लपटों से घिरा रहा और स्थिति पर काबू पाने में सेना भी जुटी हुई है।

शुक्रवार रात लगी आग में चार हजार दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गई हैं और आठ भवन नष्ट हो गए। हालांकि आग बुझाने में नागरिक प्रशासन की अग्निशमन गाड़ियों के साथ सेना और वायुसेना की अग्निशमन गाड़ियां भी जुटी हुई हैं। आग के कारण अरबों रुपए की संपत्ति को नुकसान पहुंचा। अग्निशमन मंत्री प्रतीम चटर्जी के अनुसार हल्दिया पेट्रोकेमिकल से

▸▸शेष पृष्ठ 10 पर

अब हेलीकॉप्टर बुझाएंगे आग!

एक बड़ी सीढ़ी मंगवाई गई है और आग बुझाने के लिए हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया जा सकता है। इस बीच बड़ा बाजार के नंदराम मार्केट की 12वीं मंजिल में अभी तक आग लगी हुई है और इसकी कवरेज के लिए पहुंचे पत्रकारों पर कुछ आसमाजिक तत्वों ने हमला कर दिया जिसमें पांच पत्रकार घायल हो गए तथा उनके कैमरे और ओवी वैन को नुकसान पहुंचाया गया। यह घटना सोमवार सुबह साढ़े ग्यारह बजे हुई जब कुछ निजी टेलीविजन चैनलों के पत्रकार बड़ा बाजार अग्निकांड का सीधा प्रसारण कर रहे थे। तभी लोहे की छड़ों, डंडों तथा लाठियों से लैस लोगों के एक समूह ने पत्रकारों पर अचानक हमला कर दिया और उनके कैमरे तथा ओवी वैन को क्षतिग्रस्त कर दिया। करीब 10-15 मिनट तक हुए इस हमले में पांच पत्रकार घायल हो गए और उनमें से एक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शहर पुलिस आयुक्त गौतम मोहन चक्रवर्ती ने बताया कि उन्होंने भी इस घटना के बारे में सुना है। पुलिस के एक अतिरिक्त आयुक्त को इस घटना की जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है तथा अतिरिक्त पुलिस बल को मौके पर भेजा गया है। हालांकि बड़ा बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन से स्वयं को निर्दोष बताया है। इसके लिए उन्होंने पत्रकारों से माफी मांगी है और मीडिया का समर्थन मांगा है।

Press Clipping

Publication : Mahaka Bharat
Date : Tuesday, January 15, 2008
Edition : Jaipur
Page : 4

बड़ा बाजार इलाके का निरीक्षण किया

■ पूरे इलाके को सेना के हवाले किया जाए ■ दो हजार करोड़ का नुकसान ■ सीबीआई से जांच की मांग

जयपुर, 14 जनवरी (कासं)। मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे के निर्देश पर राज्य सरकार के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मण्डल ने सोमवार को कोलकाता के बड़ा बाजार के जमुनालाल बजाज स्ट्रीट स्थित आग से सर्वाधिक प्रभावित नन्दराम मार्केटका अवलोकन किया। प्रतिनिधि मण्डल ने व्यापारियों की आपबीती सुनी एवं नुकसान का जायजा लिया तथा अभाव अभियोग भी सुने। इस आग से प्रभावित व्यापारियों में 85 प्रतिशत राजस्थान के शेखावाटी एवं बीकानेर क्षेत्र के हैं। पूरे घटनाक्रम की जानकारी लेने के बाद राजस्थान फाउण्डेशन द्वारा आयोजित पत्रकार सम्मेलन में शिक्षा मंत्री ने बताया कि राजस्थान सरकार प्रवासी राजस्थानी भाइयों की इस दुःखद घड़ी में चिन्तित है और उनकी हर सम्भव मदद करना चाहती है। वे मुख्यमंत्री को घटनाक्रम एवं नुकसान से सम्बन्धित रिपोर्ट पेश करेंगे।

उन्होंने मांग की कि तीन दिन बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका है, अतः पूरे इलाके को सेना के हवाले कर दिया जाए। आग से प्रभावित व्यापारियों को प्रति व्यापारी 10 लाख रुपए की सहायता बंगाल सरकार द्वारा दी जाए तथा सरकार अपनी गारण्टी पर प्रति व्यापारी 50 लाख रुपए बैंक ऋण की व्यवस्था करे। आंकलन के अनुसार 1500 से 2000 करोड़ का नुकसान हुआ है। प्रतिनिधि मण्डल ने पत्रकारों को यह भी बताया कि इस आग से प्रभावित सभी व्यापारियों की पुनर्वास एवं व्यापार करने की वैकल्पिक व्यवस्था कोलकाता के धर्मतला एवं कालेज स्ट्रीट इलाके में की जाए तथा प्रभावित क्षेत्र का दो वर्ष के भीतर पुनर्निर्माण किया जाए।प्रतिनिधि मण्डल ने भीषण अग्निकाण्ड के बारे में शंका जताते हुए पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई से कराने की मांग की। उपस्थित पत्रकारों को बताया कि वे जब प्रभावित स्थल का निरीक्षण कर रहे थे तब भी क्षेत्र में अव्यवस्था का माहौल था। दमकल कर्मी भी कम थे तथा एक-ही दमकल से आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा था। कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा प्रेस से भी बदसलूकी करने की बात सामने आई, जो कि अशोभनीय है।

बंगाल के राज्यपाल को ज्ञापन दिया

बड़ा बाजार आग

जयपुर, 14 जनवरी (कासं)। मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के निर्देश पर कोलकाता के बड़ा बाजार इलाके में लगी आग से प्रवासी राजस्थानियों के हुए नुकसान का आकलन करने के लिए शिक्षा मंत्री के नेतृत्व में गए उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों ने राजस्थान फाउन्डेशन के अध्यक्ष हरिमोहन बागड़ एवं सचिव संदीप भूतोड़िया, स्थानीय विधायक दिनेश बजाज, पार्षद सुनीता झंवर एवं कई प्रवासी राजस्थानी कार्यकर्ताओं के साथ बंगाल के राज्यपाल गोपालकृष्ण गांधी से भेंट की तथा भीषण अग्निकाण्ड पर एक ज्ञापन दिया।

प्रतिनिधि मण्डल ने राज्यपाल को बताया कि क्षतिग्रस्त व्यापारियों में 85 प्रतिशत राजस्थानी मूल के है। अतः उनके लिए राजस्थान सरकार चिन्तित है। दल ने राहत कार्य की धीमी गति एवं अव्यवस्था से राज्यपाल को अवगत कराया। राज्यपाल ने सहानुभूतिपूर्वक वक्तव्य को सुना एवं आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया।

इसके बाद प्रतिनिधि मण्डल ने बंगाल के राहत मंत्री मुरताजा हुसैन से राइटर्स बिल्डिंग (सचिवालय) जाकर भेंट की तथा आग को बुझाने एवं पूरे इलाके को सेना के हवाले करने की मांग की।

42

Press Clipping

Publication : Punjab Kesari
Date : Tuesday, January 15, 2008
Edition : Jaipur
Page : 1

कोलकाता अग्निकांड की सीबीआई जांच हो

■ सर्राफ के नेतृत्व में गए प्रतिनिधिमंडल को साजिश की आशंका

जयपुर, (वार्ता): राजस्थान के शिक्षामंत्री कालीचरण सर्राफ ने आग बुझाने के लिए कोलकाता के बड़ा बाजार इलाके को सेना के सुपुर्द करने तथा इस अग्निकांड के पीछे साजिश की आशंका जताते हुए केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की है। मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे के निर्देश पर आज ही राज्य के जनप्रतिनिधियों के एक दल के साथ कोलकाता पहुंचे श्री सर्राफ ने फोन पर बताया कि बड़ा बाजार इलाके के अग्निकांड में अधिकतर प्रवासी राजस्थानी व्यापारी प्रभावित हुए हैं। उन्होंने प्रभावित व्यापारियों को समुचित राहत देने की मांग की है। श्री सर्राफ के साथ खनिज राज्य मंत्री खेमाराम मेघवाल, सांसद सुभाष महरिया, रामसिंह कस्वां, विधायक के.डी.बाबर और राजकुमार रिणवा भी कोलकाता पहुंचे हैं। इन जनप्रतिनिधियों ने अग्निकांड स्थल का दौरा किया और प्रवासी राजस्थानी व्यापारियों से मुलाकात की। राजस्थान फाउंडेशन कोलकाता चेप्टर के सचिव संदीप भूतोडिया तथा अन्य व्यापारी प्रतिनिधि उनके साथ थे। शिक्षामंत्री ने शनिवार को लगी आग पर अभी तक काबू नहीं पाने पर आश्चर्य व्यक्त किया और कहा कि कोलकाता जैसे शहर में आग बुझाने के लिए पानी का प्रबंध नहीं हो पाना पश्चिम बंगाल सरकार की लापरवाही का द्योतक है। उन्होंने आग बुझाने के लिए बड़ा बाजार इलाके को सेना के सुपुर्द किये जाने की मांग की।

■ प्रवासी राजस्थानी व्यापारी ही सर्वाधिक प्रभावित : पानी और अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था न होना आश्चर्यजनक

इस अग्निकांड के पीछे निहित साजिश की आशंका व्यक्त करते हुए श्री सर्राफ ने कहा कि बड़ा बाजार इलाके की अधिकतर दुकानों में प्रवासी राजस्थानी व्यापारी काफी पुराने किरायेदार हैं। लोगों से मिली जानकारी के अनुसार इस कीमती जमीन को हथियाने के लिए दुकान मालिक भू माफिया से मिलकर अग्निकांड की साजिश रच सकते हैं इसलिए समूल प्रकरण की सी.बी.आई.जांच करायी जानी चाहिए। कोलकाता अग्निकांड पीड़ितों को राहत देने की मांग करते हुए सर्राफ ने कहा कि जिन व्यापारियों की दुकानें अथवा कार्यालय इत्यादि इस भयंकर आग में जल कर नष्ट हो गये हैं उन्हें उतनी नाप की जमीन पर पश्चिम बंगाल सरकार दो साल में दुकानें निर्माण कराकर उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि नई दुकानों इत्यादि के निर्माण तक व्यापार की वैकल्पिक व्यवस्था के लिए विभिन्न बिजनैस हब में स्थान उपलब्ध कराये जाने चाहियें। धरमतला मार्केट और कालेज स्ट्रीट इलाके में ऐसे स्थान सुलभ हैं। श्री सर्राफ ने पीड़ित व्यापारियों

▶ शेष पृष्ठ चार पर ■

कोलकाता अग्निकांड...

को दस-दस लाख रुपये मुआवजा देने और 50-50 लाख रुपये की ऋण सहायता उपलब्ध कराने की भी मांग की है। श्री सर्राफ की अगुवाई में आये दल के सदस्य पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जी के गांधी से मिलेंगे। श्री सर्राफ ने मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य से भी मिलने का समय मांगा है। वे कल जयपुर लौटेंगे और मुख्यमंत्री को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार पीड़ित व्यापारियों की मदद के बारे में केन्द्र सरकार से भी बातचीत करेगी।

A3

Press Clipping
Publication : Dainik Navjyoti
Date : Tuesday, January 15, 2008
Edition : Jaipur
Page : 1

राजस्थान के व्यापारियों को ढाई हजार करोड़ का नुकसान, तीन हजार दुकानें राख

तीन दिन बाद भी आग बेकाबू

एजेंसी

कोलकाता, 14 जनवरी। कोलकाता के बड़ा बाजार के नंदराम मार्केट की 13 मंजिला इमारत में लगी भयंकर आग तीन दिन बाद भी काबू में नहीं आ सकी है। अब तक करीब तीन हजार दुकानें जलकर राख हो चुकी हैं। इनमें कई दुकानें राजस्थान के व्यापारियों की थी। विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि आग पर जल्द काबू नहीं पाया गया तो इमारत भरभरा कर ढह सकती है।

व्यवसायी अरुण अग्रवाल के अनुसार राजस्थानी व्यापारियों को करीब ढाई हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। कोलकाता के मारुपा नेता ने अग्निकांड में साजिश की बात को नकारते हुए कहा है कि सरकार व्यापारियों की हर संभव मदद करेगी।

पुलिस आयुक्त गौतममोहन चक्रवर्ती के मुताबिक नंदराम मार्केट भवन में दरारें पड़ गई हैं और यह बाएं तरफ झुक गया है। भवन की ऊपरी मंजिलों से अभी तक आग की लपटें निकल रही हैं। आग की वजह से पूरे इलाके में भयंकर गर्मी है। पानी डालने पर आग आसपास के इलाकों तक फैल जाती है। चक्रवर्ती ने बताया कि आग को काबू में करने के लिए लगातार पानी की सप्लाई की जरूरत है। उन्होंने आग पर झाग छिड़के जाने की सलाह को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि आसपास पेट्रोल उत्पाद स्टोर होने की वजह से झाग के इस्तेमाल की गुंजाइश नहीं है। मौके पर मौजूद *(शेष पेज 9 पर)*

राजस्थान के दल का दौरा, साजिश की आशंका

जयपुर। अग्निकांड को लेकर कोलकाता दौरे पर गए शिक्षामंत्री कालीचरण सराफ ने कहा है कि अग्निकांड के पीछे साजिश की आशंका है। पूरे मामले की सीबीई जांच होनी चाहिए। प्रवासी राजस्थानियों को समुचित राहत देने की मांग भी की गई। सराफ के साथ खनिज राज्यमंत्री खेमाराम मेघवाल, सांसद सुभाष महरिया, रामसिंह कसवा, विधायक के.डी.बाबर और रामकुमार रणवा दौरे पर गए। इन जनप्रतिनिधियों ने अग्निकांड इलाके का दौरा किया और प्रवासी राजस्थानियों से मुलाकात की। *(शेष पेज 9 पर)*

तीन दिन बाद...

इंजीनियरों ने हालांकि कहा है कि फिलहाल भवन गिरने का खतरा नहीं है, लेकिन इसके इर्द-गिर्द रहने वालों को हटाकर सुरक्षित ठिकानों पर ले जाया जा रहा है। आग शनिवार को भवन की 13वीं मंजिल के जेनरेटर रूम में लगी। वहां रखे डीजल के ड्रम्स में धमाकों के बाद इसने विकराल रूप धारण करते हुए पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। बड़ा बाजार से जुड़ने वाले सभी सड़क मार्गों को बंद कर दिया गया है। सेना, वायु सेना और दमकल विभाग की 50 से ज्यादा गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हुई हैं।

पत्रकारों पर हमला : नंदराम मार्केट में आग के कवरेज के लिए पहुंचे पत्रकारों पर कुछ बदमाशों ने हमला कर दिया, जिसमें पांच पत्रकार घायल हो गए। उनके कैमरे और ओ बी वैन को नुकसान पहुंचाया गया। यह घटना आज सुबह साढ़े ग्यारह बजे हुई, जब कुछ निजी टेलीविजन चैनल्स के पत्रकार बड़ा बाजार अग्निकांड का सीधा प्रसारण कर रहे थे। तभी लोहे की छड़ों, डंडों तथा लाठियों से लैस लोगों के एक समूह ने पत्रकारों पर हमला कर दिया और उनके कैमरे तथा ओबी वैन को क्षतिग्रस्त कर दिया। शहर पुलिस आयुक्त गौतम मोहन चक्रवर्ती ने बताया कि पुलिस के एक अतिरिक्त आयुक्त को इस घटना की जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है तथा अतिरिक्त पुलिस बल को मौके पर भेजा गया है।

राजस्थान के दल...

सराफ ने दौरे के बाद कहा कि राजस्थानियों के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण हालत है। प्रकरण में राज्य सरकार और प्रशासन की लापरवाही रही है। मामले में न्याय के लिए मामला या तो सीबीआई या फिर सेना को सौंपा जाए। हो सकता है कि यह यहां के माफियाओं की साजिश हो। सीबीआई जांच के बाद ही मामले का खुलासा हो सकेगा। कोलकाता में राजस्थानी व्यवसायी के.के.गोयल ने सराफ को बताया कि घटना से दो-ढाई हजार व्यापारी प्रभावित हुए हैं। कई लोग अस्पताल में हैं, इसके बावजूद यहां सरकार से खास राहत नहीं मिली है। आग बुझाने के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था भी नहीं हो पाई।

सांसद सुभाष महरिया ने कहा कि सरकार की लापरवाही से यहां तीन में से दो मशीने खराब पड़ी हैं, ऐसे में मानवीय दृष्टि से सरकार को मदद करनी चाहिए। व्यापारियों को यहां करोड़ों का नुकसान हुआ है। सरकार को चाहिए कि दुकान की जगह दुकान उपलब्ध कराए और इन्हें कम ब्याज पर लोन उपलब्ध कराया जाए। सराफ ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों को यहां से खदेड़ने और जमीन को हड़पने की साजिश के चलते भू-माफियाओं की तरफ से भी यह अग्निकांड कराया जा सकता है। सराफ ने यहां के राजस्थानी व्यापारियों से मुलाकात कर और उनका पक्ष सुनकर रिपोर्ट तैयार कर ली है। मंगलवार को लौटकर यह दल मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को अपनी रिपोर्ट सौंपेगा।

Press Clipping

Publication : *Rajasthan Patrika*
Date : Tuesday, January 15, 2008
Edition : Jaipur
Page : 1

सोमवार को धधकता नंदराम कटला।

शेखावत आज कोलकाता जाएंगे

जयपुर। पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत मंगलवार को कोलकाता जाएंगे। राजस्थान पत्रिका के संपादक गुलाब कोठारी वहां उनके साथ रहेंगे। शेखावत विमान से सुबह साढ़े ग्यारह बजे कोलकाता पहुंचेंगे। वे सीधे प्रवासी राजस्थानी बहुल बड़ा बाजार जाएंगे। वहां अग्निकाण्ड का जायजा लेंगे और फिर बड़ा बाजार व्यापारी एसोसिएशन के कार्यालय में पीड़ित व्यापारियों से बातचीत करेंगे।

सरकार को अपराधबोध: भाजपा

जयपुर। भाजपा ने पीड़ित व्यापारियों की साजिश की आशंका को यह कहते हुए सही करार दिया है कि बंगाल सरकार के रुख से ही लगता है कि वह अपराधबोध से ग्रसित है। प्रवक्ता कैलाशनाथ भट्ट ने कहा कि वहां के दमकल मंत्री का राज्य के सरकारी प्रतिनिधियों से बात नहीं कर अपमानित करना व मुख्यमंत्री द्वारा मिलने का समय नहीं देना निंदनीय है। भाजपा ने कहा कि आग बुझाने के लिए सेना को देरी से भेजना, पानी व दमकलों का पूरा बंदोबस्त नहीं करना जैसे सवालों को पार्टी मुद्दा बनाएगी।

पीड़ितों को मिले मुआवजा :कांग्रेस

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने प. बंगाल सरकार से अग्निकाण्ड से राजस्थान के व्यापारियों को हुए नुकसान का मुआवजा देने की मांग की है। राज्य कांग्रेस का शिष्टमण्डल कोलकाता जाएगा। जोशी ने कोलकाता के मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य को लिखे पत्र में कहा है कि अग्निकाण्ड से राज्य के व्यापारियों का काफी नुकसान हुआ है। कई व्यापारियों के सामने रोजी-रोजी का संकट उत्पन्न हो गया।

Press Clipping

Publication : Samachar Jagat
Date : Monday, January 14, 2008
Edition : Jaipur
Page : 12

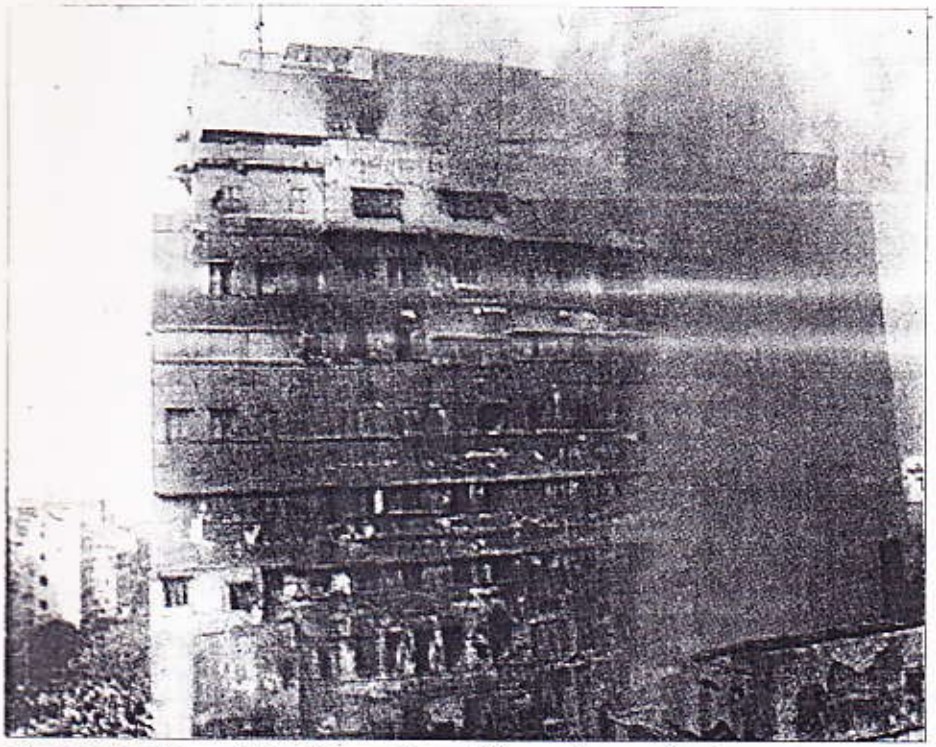

कोलकाता के बड़े बाजार में आग से स्वाहा हुई दुकानों से अब भी उठ रहा है धुएं का गुबार।

अभी तक नहीं बुझ पाई बड़ा बाजार की आग

कोलकाता, 13 जनवरी (वार्ता)। मध्य कोलकाता के भीड़भाड़ वाले बड़ा बाजार इलाके में कल तड़के लगी भीषण आग पर 36 घंटे के बाद भी काबू नहीं पाया जा सका है, क्योंकि कल देर रात एक बार फिर आग भड़कने से अब तक 4000 से अधिक दुकानें एवं कम से कम आठ बहुमंजिली इमारतें जलकर राख हो गईं। जमनालाल बजाज स्ट्रीट की एक बहुमंजिली इमारत में कल तड़के आग लग गई थी और देखते ही देखते आग नंदराम मार्के ट तक फैल गई।

आग लगने के ठीक ठीक कारण का अभी पता नहीं चल सका है। आग पर एक बार काबू पा लिया गया था, लेकिन नंदराम मार्केट के पीछे हिस्से में आग फिर से भड़क उठी जिसने इमारत की 10वीं ,12 वीं और 13वीं मंजिलों को चपेट में ले लिया। इस हिस्से तक पानी की बौछारें नहीं पहुंच सकती थी। फायर सेवाओं के महानिदेशक सुभाष दत्ता ने बताया कि आग से चार इमारतें खाक हो गई और जबकि आग नंदराम मार्केट का एक बड़ा हिस्सा ढह गया। उन्होंने कहा कि चिंता की बात यह है कि आग इमारत के जेनरेटर रूम की ओर बढ़ रही है, जहां 250 लीटर डीजल का स्टाक रखा हुआ है। आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग की कई गाडियां अभी भी मशक्कत कर रही है। इस अग्निकांड में करोड़ों रूपए की संपत्ति नष्ट होने की आशंका है। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। एक मेजर के नेतृत्व में सेना के छह जवानों की टुकडी आग पर काबू पाने में मदद कर रही है। गौरतलब है कि बड़ा बाजार घनी आबादी वाला इलाका है और शहर का प्रमुख व्यवसायिक केंद्र है। यह भारत की सबसे बड़ी और पुरानी थोक व्यापार मार्केट है।

Press Clipping
Publication : Rajasthan Patrika
Date : Monday, January 14, 2008
Edition : Jaipur
Page : 1

रविवार को बड़ा बाजार के नंदराम कटले की इमारत में लगी आग।
(राजस्थानी व्यापारियों की व्यथा-देखें पेज 12)

धधक रहा है बड़ा बाजार

सदमे से राजस्थानी व्यापारी की मौत

नंदराम कटला में धमाका, इमारत गिरने का खतरा

कोलकाता, 13 जनवरी (का.सं.)।

बड़ा बाजार में लगातार दो दिनों से भड़क रही आग पर रविवार को भी काबू नहीं पाया जा सका। आग से हुए नुकसान के सदमे में रविवार को राजदेलसर (चूरू) के मूल निवासी व्यापारी तेजकरण वैद्य (50) की मृत्यु हो गई।

आग में बुरी तरह प्रभावित नंदराम कटला में वैद्य की चार दुकानें थीं। इधर, कटले की की 13वीं मंजिल पर रविवार रात विस्फोट हो गया। शेष पेज 2 पर

वसुंधरा सरकार का प्रतिनिधिमंडल जाएगा

जयपुर। राजस्थान सरकार की ओर से प्रवासी राजस्थानी बहुल कोलकाता के बड़ा बाजार में हुए अग्निकाण्ड का जायजा लेने के लिए प्रदेश का छह सदस्यीय दल सोमवार सुबह कोलकाता रवाना होगा। पूर्व उप राष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत भी मंगलवार को कोलकाता का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने रविवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य से बात कर हरसम्भव मदद देने का आग्रह किया। वसुंधरा ने कोलकाता में राजस्थान के व्यापारिक प्रतिनिधियों से भी बात कर संकट में स्वयं सहित सभी राजस्थानियों के उनके साथ होने का भरोसा दिलाया। शेष पेज 2 पर

वसुंधरा सरकार का....

राजस्थान से घटना का जायजा लेने के लिए कोलकाता रवाना हो रहे दल में शिक्षा मंत्री कालीचरण सराफ, खनिज राज्यमंत्री खेमाराम मेघवाल, सांसद सुभाष महरिया व रामसिंह कस्वा तथा विधायक के.डी. बाबर व राजकुमार रणवा शामिल होंगे। शिक्षा मंत्री सराफ ने आग में करीब 500 करोड़ रुपए के नुकसान की आशंका जताई है।

सदमे से राजस्थानी...

सम्भवतः किसी ज्वलनशील पदार्थ के कारण यह विस्फोट हुआ। धमाके के बाद पूरी इमारत गिरने के कगार पर आ गई है। कटले की ऊपरी मंजिल स्थित जेनरेटर रूम में 250 लीटर डीजल का बड़ा स्टॉक है। आग ने अब तक चार हजार दुकानों और आठ बहुमंजिला इमारतों को खाक कर दिया है। राज्य सरकार ने हादसे की गम्भीरता देखते हुए केन्द्र सरकार से मदद मांगी है। मौके पर पचास दमकलों के अलावा सेना के जवान जुटे हैं। बाजार में शुक्रवार देर रात आग लग गई थी। तेजकरण की मृत्यु के बाद उनकी पुत्री दीपिका (21) को भी गम्भीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तेजकरण 12 वर्ष की आयु में कोलकाता आए थे। तीस वर्ष पहले उन्होंने पहली दुकान नंदराम मार्केट में ली थी। तेजकरन सुबह आग का जायजा लेने अपनी छत पर चढ़े। इस दौरान उनकी हालात बिगड़ गई। उनके परिवार में पत्नी मंजू देवी (45) एक पुत्री एवं दो पुत्र हैं।

Press Clipping
Publication : Rashtradoot
Date : Monday, January 14, 2008
Edition : Jaipur
Page : 1

कोलकाता का बड़ा बाजार दूसरे दिन भी आग की लपटों में घिरा रहा, सेना बुलाई

कोलकाता, 13 जनवरी। देश के व्यस्तम व्यावसायिक केन्द्र मध्य कोलकाता का बड़ा बाजार आज दूसरे दिन भी आग की लपटों से घिरा रहा और स्थिति पर काबू पाने के लिये सेना बुला ली गयी।

क्षेत्र में देर शाम स्थिति उस समय और खराब हो गयी जब गैसे सिलेंडर फटने लगे। आग से हजारों दुकानें ध्वस्त हो गयी है और अरबों रुपये की संपत्ति को नुकसान पहुंचा।

रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कैप्टन आर के दास ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए कम से कम 3। सैन्य कर्मियों को लगाया गया है। आग पर काबू पाने के लिये अग्नि शमन की 40 गाड़ियों के अलावा सेना वायुसेना और भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण की गाड़ियों को भी लगाया गया है। बड़ा बाजार में कल दिन में करीबन सवा एक बजे आग भड़की थी।

इस बीच बड़ा बाजार के एक निवासी तेज नारायण वैध की सदमें से मौत हो गयी। आग बढ़े की आशंका को देखते हुये आसपास के भवनों को खाली करा लिया गया है। पश्चिम बंगाल के अग्निशमन मंत्री प्रीतम चटर्जी ने बताया कि तेज तपिश के कारण अग्निशमन कर्मचारी ये नहीं बढ़ पा रहे है। इसके अलावा क्षेत्र में रखे डीजल और जेनरेटर सैटों ने आग पकड़ ली है। आग पर काबू पाने में अभी कोई सफलता नहीं मिली है।

- आग से 4000 से ज्यादा दुकानें एवं आठ बहुमंजिली इमारतें जल कर राख, अरबों रुपये की संपत्ति को नुकसान
- आग पर काबू पाने के लिये फायर ब्रिगेड की 40 गाड़ियों के अलावा सेना की गाडियों व तीस सैन्य कर्मियों को भी लगाया
- बड़ा बाजार निवासी एक व्यक्ति की सदमे से मौत

कल देर रात एक बार फिर आग भड़कने से अब तक 4000 से अधिक दुकानें एवं कम से कम आठ बहुमंजिली इमारतें जलकर राख हो गयी। जमनालाल बजाज स्ट्रीट की एक बहुमंजिली इमारत में कल तड़के आग लग गई थी और देखते ही देखते आग नंदराम मार्केट तक फैल गई। आग लगने के ठीक-ठीक कारण का अभी पता नहीं चल सका है।

आग पर एक बार काबू पा लिया गया था लेकिन नंदराम मार्केट के पीछे हिस्से में आग फिर से भड़क उठी जिसने इमारत की 10वीं, 12वीं और 13वीं मंजिलों को चपेट में ले लिया। इस हिस्से तक पानी की बौछारें नहीं पहुंच सकती थी। फायर सेवाओं के महानिदेशक सुभाष दत्ता ने बताया कि आग से चार इमारतें खाक हो गई और जबकि आग नंदराम मार्केट का एक बड़ा हिस्सा ढह गया। उन्होंने कहा कि चिंता की बात यह है कि आग इमारत के जेनरेटर रूम की ओर बढ़ रही है, जहां 250 लीटर डीजल का स्टाक रखा हुआ है। गौरतलब है कि बड़ा बाजार घनी आबादी वाला इलाका है और शहर का प्रमुख व्यवसायिक केन्द्र है।

यह भारत की सबसे बड़ी और पुरानी थोक व्यापार मार्केट है। इस मार्केट में वर्ष 2001 से 2005 के बीच कम से कम भीषण अग्निकांड की पांच घटनाएं हो चुकी है।

Press Clipping

Publication : Mahaka Bharat

Date : Monday, January 14, 2008

Edition : Jaipur

Page : 1

थम नहीं रही आग

कोलकाता के बड़ा बाजार में आग बुझाते सैन्यकर्मी। फोटो : यूनू

र हजार दुकानें जलीं, सेना ने संभाला मोर्चा

कोलकाता, 13 जनवरी। देश में थोक के सबसे ड़े बाजार बड़ाबाजार में आग की लपटें में घिरी इमारत रेटर कक्ष में डीजल रखे होने की वजह से रविार रात धमाके हुए जिसके बाद इस 13 मंजिला इमारत के का खतरा पैदा हो गया है। पुलिस ने बताया कि में लगी आग दूसरे दिन भी ▸▸ शेष पृष्ठ 10 पर

मुख्यमंत्री ने जताया अफसोस

छह सदस्यीय टीम जाएगी

जयपुर, 13 जनवरी (विसं)। मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कोलकाता में हुए अग्निकाण्ड में प्रदेश के रियों को हुए नुकसान पर अफसोस जताते हुए पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बुद्धदेव ▸▸ शेष पृष्ठ 10 पर

शेखावत कोलकाता जाएंगे

प्रभावित 60 प्रतिशत दुकानें राजस्थानियों की

जयपुर, 13 जनवरी (कासं)। गत शुक्रवार रात कोलकाता के सबसे बड़े व्यावसायिककेंद्र बड़ा बाजार के प्रवासी राजस्थानी बहुल इलाके नंदराम मार्केट, तिरपाल पट्टी, काशी कटरा व पांच बहुमंजिला इमारतों समेत करीब चार हजार दुकानें खाक हो गई हैं। इससे 125 करोड़ रुपये से ज्यादा की सम्पत्ति का नुकसान हुआ है। अनुमानतः प्रभावित 60 प्रतिशत दुकानें राजस्थानी व्यापारियों की हैं। बड़ा बाजार इलाका कोलकाता में प्रवासी राजस्थानी व्यापारियों का प्रमुख केंद्र है। ▸▸ शेष पृष्ठ 10 पर

चार हजार दुकानें जली

जारी रही और उसकी लपटें 12वीं मंजिल पर जनरेटर कक्ष तक जा पहुंची। धमाके या तो गैस सिलेंडर विस्फोट की वजह से हुए या फिर जनरेटर कक्ष में रखे 300 लीटर डीजल के आग पकड़ने के कारण। धमाके शुरू होने के बाद समीप बसे लोग सुरक्षित इलाकों में चले गए और दमकलकर्मियों में घबराहट फैल गई। शहर की पुलिस आयुक्त गौतम मोहन चक्रवर्ती ने प्रेट्र से कहा कि शनिवार से आग की लपटों की घिरी इमारत बायीं ओर कुछ झुक गई है और इस बात का खतरा पैदा हो गया है कि उसका हिस्सा ढह गया। दमकलकर्मी और सेना के जवान आग पर काबू पाने की कोशिशों में जुटे हैं। आग से अब तक इस व्यस्त बाजार की तीन हजार से ज्यादा दुकानें बरबाद हो चुकी हैं। चक्रवर्ती ने बताया कि अग्निरोधी वस्त्र पहने सेना के जवान इमारत की आठवीं मंजिल में दाखिल हुए जहां दमकलकर्मियों के प्रयासों को पानी की कमी से जूझना पड़ रहा है। इमारत की दसवीं और ऊपरी मंजिलों से पानी की बौछार नहीं पहुंच रही है और आग फैलती जा रही है। आग पर काबू पाने के लिए इलाके में 51 दमकल गाड़ियां मौजूद हैं लेकिन इनमें से ज्यादातर को क्षेत्र में पानी की कमी की वजह से इस्तेमाल नहीं किया जा सका। धमाकों और आग की लपटें बढ़ने की वजह से इमारत में दरार पैदा हो गई है और उसका एक हिस्सा ढह गया है। अग्निशमन मंत्री प्रतिम चटर्जी ने बताया कि आग की वजह से पैदा हुई इतनी गर्मी की वजह से इमारत ढह सकती है। यदि ऐसा नहीं होता तो हम इसे बाद में गिरा देंगे। जनरेटर कक्ष तक आग पहुंचने के बाद हुए धमाकों से हालात ज्यादा और बिगड़ गए हैं क्योंकि अब उन इलाकों तक भी आग की लपटें जा पहुंची हैं जो पहले इससे मुक्त थे। स्थानीय लोगों के मुताबिक इमारत में नई दरारें दिख रही हैं और यह डर पैदा हो गया है कि इमारत किसी भी वक्त ढह सकती है। दमकलकर्मियों के मुताबिक गर्माहट के प्रभाव की वजह से बांई ओर झुकी इमारत विस्फोट की वजह से नीचे आ सकती है। इमारत का एक हिस्सा पहले ही ढह चुका है और पुलिस ने बताया कि इसका बड़ा हिस्सा कभी भी ढह सकता है।

Press Clipping
Publication : Daily News
Date : Monday, January 14, 2008
Edition : Jaipur
Page : 1

कोलकाता में आग भड़की राजस्थान में चिंता

4000 से अधिक दुकानें खाक, 250 लीटर डीजल वाले जेनेरेटर रूम की ओर बढ़ीं लपटें

एजेंसी, कोलकाता /जयपुर

मध्य कोलकाता के भीड़भाड़ वाले बड़ा बाजार इलाके में शुक्रवार देर रात लगी भीषण आग पर रविवार रात तक काबू नहीं पाया जा सका। शनिवार देर रात एक बार फिर आग भड़कने से अब तक 4000 से अधिक दुकानें एवं कम से कम आठ बहुमंजिली इमारतें जलकर राख हो गयीं हैं। इस बीच मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री से आग से हुए नुकसान की जानकारी ली। उन्होंने राज्य के सांसदों और विधायकों की छह सदस्यीय टीम कोलकात भेजने के निर्देश दिए है। (शेष पेज 4 पर)

कोलकाता में आग...

कोलकाता फायर सेवाओं के महानिदेशक सुभाष दत्ता ने बताया कि आग से नंदराम मार्केट का एक बड़ा हिस्सा ढह गया। चिंता की बात यह है कि आग इमारत के जेनरेटर रूम की ओर बढ़ रही है, जहां 250 लीटर डीजल का स्टाक रखा हुआ है। आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग की कई गाड़ियां अब भी मशक्कत कर रही हैं। इस अग्निकांड में करोड़ों रुपए की संपत्ति नष्ट होने की आशंका है। एक टीवी चैनल के मुताबिक आग के सदमे से एक व्यापारी की मौत भी गई है। आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल सका है। पश्चिम बंगाल के अग्निशमन विभाग के मंत्री प्रतीम चटर्जी ने कहा कि आग काफी ज्यादा फैल चुकी है, इस कारण स्थिति को नियंत्रण में करने में वक्त लग सकता है। एक मेजर के नेतृत्व में सेना के छह जवानों की टुकड़ी आग पर काबू पाने में मदद कर रही है। **ये जाएंगे कोलकाता** : शिक्षा मंत्री कालीचरण सराफ, खनिज राज्यमंत्री खेमाराम मेघवाल, सांसद सुभाष महरिया, रामसिंह कस्वां, विधायक के.डी.बाबर और राजकुमार रिणवा सोमवार सुबह कलकत्ता जाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी बड़ा बाजार में हुई आगजनी पर दुख व्यक्त करते हुए पश्चिम बंगाल सरकार से व्यापारियों की पूरी मदद करने का आग्रह किया है।

Press Clipping
Publication : The Indian Express
Date : Sunday, January 13, 2008
Edition : New Delhi
Page : 1

WHY KOLKATA MARKET FIRE RAGED FOR 18 HOURS

Several wholesale markets in Burrabazar were gutted in a fire that broke out in Kolkata in the early hours of Saturday. The fire began on the second floor of 76 Jamunalal Bajaj Street, and spread to seven buildings including the 13-storey Nandaram and Kansiram markets. Congested lanes, no water for fire engines, old firefighters... here's why the fire took so long to control

- Estimated losses: over **Rs 200 crore**, over **2,500** shops destroyed
- **42** fire engines pressed into service but only one could be used at a time due to lack of water
- **112** fire fighters engaged in the operation, **70%** of them are above **40** years
- Fire Dept has **2** turntable ladders, but one defunct
- The buildings housing Kansiram Market and Nandram Market — the worst affected — are illegally constructed and do not follow any fire safety norms
- Most buildings had got notices for illegal construction
- Most shops stored highly combustible material like textile goods, tarpaulin sheets, woolen garments, lubricants and gas cylinders, which helped the blaze spread faster
- Lack of modern pumping machines hampered operations

— Ravik Bhattacharya

Press Clipping
Publication : Samachar Jagat
Date : Sunday, January 13, 2008
Edition : Jaipur
Page : 1

कोलकाता में

भीषण आग

2500 दुकानें खाक

कोलकाता, 12 जनवरी (एजेंसी)। मध्य कोलकाता के प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों में से एक बड़ा बाजार में शनिवार तड़के लगी आग में 2500 से अधिक दुकानें जलकर राख हो गईं। इस भीषण आगजनी में करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। अभी पर अभी तक काबू नहीं पाया जा सका है। अग्निशमन मंत्री प्रतीम चटर्जी ने बताया कि आग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग जमनालाल बजाज स्ट्रीट में स्थित एक घर में तड़के दो बजे शुरू हुई और जल्दी ही पास शेष पृष्ठ आठ पर

कोलकाता में भीषण.... (पेज एक से जारी)

की दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में फैल गई। चटर्जी ने कहा कि आग पर काबू पाने के लिए कम से कम 40 दमकल गाड़ियों को लगाया गया है और नौ घंटों के बाद भी अग्निशमन कर्मचारी आग बुझाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि अभी यह नहीं कहा जा सकता कि आग पर काबू पाने में कितना समय और लगेगा। आग के कारण का पता नहीं लग सका है। चटर्जी ने कहा कि घटना की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की जाएगी। फायर ब्रिगेड सूत्रों के अनुसार तेज हवा चलने के कारण आग 13 मंजिले नारायण मार्केट में फैल गई। इसके बाद इसने पास की लिपाल पट्टी को भी अपनी चपेट में ले लिया। कोलकाता पुलिस के आयुक्त गौतम चक्रवर्ती अग्निशमन मंत्री के साथ घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव अमित किरण देव ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस हवाईअड्डे के अधिकारियों से आधुनिक अग्नि सीढ़ी के लिए अनुरोध किया है। रेलवे से भी सीढ़ी मंगाई जा रही है। स्थानीय सांसद सुधांशु सिल ने भी क्षेत्र का दौरा किया।

them. I have no other business to fall back on," said Gupta.

What will he do now: "I am praying that I have some stocks left to start afresh," said Shah.

— ZEESHAN JAWED

B.K. BIRLA OPENS PRIVATE FUND GATE

Pratim meets ire with fire

A STAFF REPORTER

State fire services minister Pratim Chatterjee is in no mood to express regret for the "humiliation and insult" he reportedly meted out to a Rajasthani delegation on Monday.

"I had an appointment at All India Radio, so I couldn't meet the delegation members. They did not have any appointment. Instead of meeting relief minister Mortaza Hossain, they should have come to me first," Chatterjee said at Writers' Buildings on Tuesday.

Former Vice-President Bhairon Singh Shekhawat visited Nandaram to offer sympathy to the fire-affected traders on Tuesday. Picture by Amit Datta

"I got angry when one of the members said he would take up the matter in Parliament. Another addressed me as '*bittu* minister (small minister)'," Chatterjee added.

The delegation — comprising seven ministers, MLAs, MPs and officials from the BJP-ruled state — came to town to extend a helping hand to the traders who have lost their source of livelihood in the Nandaram-Kashiram blaze.

Rajasthan chief minister Vasundhara Raje on Tuesday called up Governor Gopalkrishna Gandhi and expressed concern over Chatterjee's alleged snub. The fire services minister, on his part, spoke to chief minister Buddhadeb Bhattacharjee and narrated the "sequence of events".

The BJP state unit demanded Chatterjee's removal and an apology from the chief minister for his colleague's "misbehaviour".

Amidst the charges and counter-charges, the traders of the razed markets saw their first ray of hope for rehabilitation in industrialist B.K. Birla's promise of donating Rs 2 crore.

Birla, along with his wife Sarala, visited the affected areas on Tuesday. The Calcutta Citizen's Initiative, a city-based NGO, said the amount would be distributed among the worst-affected traders.

Birla also sought donations for the rehabilitation of the affected traders, but his request to route the money through the Kamal Gandhi-headed Manohardas Katra Coordination Committee has angered a section of the trading community. "Manohardas Katra was gutted a few years ago and nothing was done after that. We plan to meet the Birlas tomorrow to raise this issue," said a trader.

Narayan Jain, the vice-president of the Calcutta Citizen's Initiative, said the Jain Swetambar Terapanthi Sabha has agreed to let the affected traders set up temporary stalls on the 6,000-sq-feet land it owns on Portuguese Church Street. The Sabha will also provide soft loans to the traders.

■ **Mamata threat:** Mamata Banerjee has threatened to organise a sit-in near Nandaram if the fire was not doused by 10am on Wednesday.

■ **CPM stand:** The ongoing CPM state conference adopted a resolution, blaming "the huge quantity of inflammable material stored in the buildings" and the "dingy lanes" for the delay in dousing the blaze.

बड़ाबाजार आग के सहायतार्थ मुख्यमंत्री राहत कोष में सहायता करें

कोलकाता, १६ जनवरी (निप्र)। बड़ाबाजार में लगी भयंकर आग से प्रभावित लोगों के सहायतार्थ राजस्थान फाउंडेशन ने २१ लाख रुपये की राशि मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्यजी को देने का निर्णय लिया है। यह राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में दी जाएगी। फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री हरिमोहन बांगड़ ने कहा कि कल समाज के अग्रणी श्री बसंत कुमार बिड़ला ने दो करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की थी जिससे प्रेरित होकर श्रीसीमेंट ने यह निर्णय लिया है। उन्होंने आगे कहा- राज्य सरकार की सहायता एवं पुनर्वास के साथ-साथ समाज के विभिन्न तबकों को भी इस सहायता में अपना हाथ बंटाना चाहिए। फाउंडेशन के सचिव श्री संदीप भूतोड़िया ने बताया कि आग से प्रभावित लोगों के सहायतार्थ अलग-अलग सहायता न करके सहायता राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा कराके राज्य सरकार और मुख्यमंत्री का हाथ मजबूत करें।

दैनिक विश्वमित्र

कोलकाता, १७ जनवरी, २००८

राहत को राजस्थान फाउंडेशन ने दिये 25 लाख

कोलकाता : बड़ाबाजार में लगी भयंकर आग से प्रभावित लोगों के सहायतार्थ राजस्थान फाउंडेशन ने 21 लाख रुपये की राशि मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य को देने का निर्णय लिया है। यह राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में दी जायेगी। फाउंडेशन के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़ ने कहा कि कल समाज के अग्रणी बसंत कुमार बिड़ला ने दो करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की थी जिससे प्रेरित होकर श्री सीमेंट ने यह निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की सहायता एवं पुनर्वास के साथ-साथ समाज के विभिन्न तबकों को भी इस सहायता में अपना हाथ बंटाना चाहिए। फाउंडेशन के सचिव संदीप भूतोड़िया ने बताया कि आग से प्रभावित लोगों के सहायतार्थ अलग-अलग सहायता न करके सहायता राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा कराके राज्य सरकार और मुख्यमंत्री का हाथ मजबूत करें।

दैनिक जागरण

17 जनवरी, 2008

बांगड़ ने दी 21 लाख की सहायता

मुख्यमंत्री राहत कोष में मदद की अपील

कोलकाता, 16 जनवरी (वि)। बड़ाबाजार में लगी भयंकर आग से प्रभावित लोगों के सहायतार्थ राजस्थान फाउन्डेशन ने 21 लाख रुपए मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य को देने का निर्णय लिया है। यह राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में दी जाएगी। फाउन्डेशन के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़ ने बताया कि कल समाज के अग्रणी बसंत कुमार बिड़ला ने दो करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की थी। जिससे प्रेरित होकर श्रीसीमेन्ट ने फाउंडेशन के मार्फत सहायता करने का यह निर्णय लिया है। समाज के विभिन्न तबकों को भी मदद का हाथ बढाना चाहिए।

फाउन्डेशन के सचिव संदीप भूतोड़िया ने बताया कि आग से प्रभावित लोगों के सहायतार्थ अलग-अलग सहायता न करके सहायता राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा कराके राज्य सरकार और मुख्यमंत्री का हाथ मजबूत करें।

राजस्थान पत्रिका

कोलकाता • गुरुवार • 17 जनवरी, 2008

इमामी ने दिये 51 लाख, एच एम बांगड़ 21 लाख

कोलकाता, 16 जनवरी (संवाद दाता)। बड़ाबाजार अग्निकांड में अपना सबकुछ गंवा चुके व्यवसायियों को अब अपने ही लोगों से सहायता मिलनी शुरू हो गयी है। मंगलवार को प्रसिद्ध उद्योगपति बी के बिड़ला ने जहां व्यवसायियों को दो करोड़ रुपये देने की घोषणा की वहीं आज इमामी ग्रुप ऑफ इंडस्ट्री की ओर से 51 लाख रुपये की राहत राशि देने की घोषणा की गयी। राजस्थान फाउंडेशन ने भी 21 लाख रुपए की राशि मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य को देने का निर्णय लिया है। यह राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में दी जायेगी। फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री हरिमोहन बांगड़ एवं सचिव संदीप भुतोड़िया ने विज्ञप्ति में कहा है कि समाज के अग्रणी श्री बसंत कुमार बिड़ला ने कल दो करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की थी, जिससे प्रेरित होकर श्री सोमेंट ने यह निर्णय लिया है। श्री भुतोड़िया ने प्रभावित लोगों के सहायतार्थ अलग अलग सहायता न करके मुख्यमंत्री राहत कोष में अधिक से अधिक राशि देने की अपील की है। आज इमामी समूह के निदेशक आदित्य अग्रवाल एवं सह निदेशक सुशील गोयनका ने तिरपाल पट्टी एवं नंदराम मार्केट का दौरा किया। घटनास्थल का जायजा लेने के बाद उन्होंने अग्निकांड से पीड़ित व्यवसायियों से बातचीत की। श्री

(शेष पृष्ठ 8 पर)

आज व्यवसायियों की बैठक

आग से पीड़ित तिरपाल पट्टी व्यवसायियों की कल गुरुवार को दोपहर जैन विद्यालय सुकियस लेन में बैठक बुलायी गयी है जिसमें व्यवसायियों के पुनर्वास पर चर्चा की जायेगी।

इमामी ने दिये...

(पेज 1 का शेषांश)

अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने बचपन से इस इलाके को बढ़ते देखा है। इमामी ने भी अपना सफर यहीं से शुरू किया था। उन्होंने व्यवसायियों की पुनर्वास की बात करते हुए नंदराम मार्केट को न तोड़ने की मांग की।

छपते छपते

गुरुवार, 17 जनवरी - 2008

राजस्थान फाउंडेशन ने दिये 21 लाख रुपये

कोलकाता : बड़ाबाजार अग्निकांड पीड़ितों के सहायतार्थ राजस्थान फाउंडेशन की ओर से 21 लाख रुपये की सहायता राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में दी जायेगी. फाउंडेशन के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़ ने बताया कि उद्योगपति बीके बिरला द्वारा पीड़ितों को दो करोड़ रुपये की सहायता राशि दिये जाने से प्रेरित होकर फाउंडेशन ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 21 लाख रुपये का अनुदान देने का निर्णय लिया है. यह जानकारी सचिव संदीप भूतोड़िया ने दी.

प्रभात खबर

कोलकाता, गुरुवार, 17 जनवरी, 2008

21 लाख की घोषणा

कोलकाता : बड़ा बाजार में लगी भयंकर आग से प्रभावित लोगों की सहायता के लिये राजस्थान फाउन्डेशन ने 21 लाख रुपये की राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में बुद्धदेव भट्टाचार्य को देने का फैसला किया है।

इस मौके पर फाउन्डेशन के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़ व सचिव सचिव संदीप भूतोड़िया ने कहा कि बसंत कुमार बिड़ला ने दो करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की थी जिससे प्रभावित होकर हमने यह निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की सहायता एवं पुनर्वास के साथ-साथ समाज की विभिन्न संस्थाओं को इस सहायता में अपना हाथ बँटाना चाहिए।

सन्मार्ग

गुरुवार 17 जनवरी 2008

Hindustan Times

Yash Goyal, Press Trust Of India
Kolkata, January 17, 2008

Burrabazar inferno causes loss worth Rs 1000 crores: COTTI

The devastating inferno in Burrabazar here has destroyed property worth Rs 1000 crore, ruined 1700 shops and left 15,000 families in the lurch, Rajasthani traders, who constituted a bulk of businessmen at the market, have said.

Over 4000 businessmen, 80 per cent of non-resident Rajasthanis, were the worst affected and may not be able to restart their shops immediately as no rehabilitation plan and alternative area of marketing has been thought of by the Buddhadeb government, Bulakidas Mimani, Secretary of Chamber of Textile and Industry (COTTI) told a six-member visiting media team here on Wednesday.

Over 1200 shops in Nandaram and Kansiram markets, and 500 shops in eight out of 14 *katla* (congested lanes' shops) in tarpaulin were gutted, and goods in hundreds of other shops were ruined, Mimani, who has made a preliminary assessment, said.

Earlier talking to reporters, President Rajasthan Foundation (Kolkata chapter) and Managing Director of Shree Cement LTD, Harimohan Bangur said the West Bengal government should take up the rehabilitation and revival of business on a war footing besides providing job opportunities to labourers who have came on the streets after the blaze.

There is an apprehension among the traders that the state government and municipal corporation could demolish the entire fire affected buildings and create new malls for new businessmen neglecting Rajasthanis, Bangur said.

Bangur, who announced a donation of Rs 21 lakh to the CM relief fund of West Bengal said, the fire was not caused by sabotage and the government should help rehabilitate small traders.

http://www.hindustantimes.com/StoryPage/Print.aspx?Id=f979af44-5e2d-42f6-9eed-be97e390ddf6

© Copyright 2007 Hindustan Times

The Telegraph

Issue Date: Friday , January 18 , 2008

Market fate hangs fire

OUR BUREAU

A flank of Brabourne Road was thrown open to traffic on Thursday. Picture by Pradip Sanyal nSee also Page 23

The fumes and flames have subsided, but a cloud of confusion shrouds the future of Nandaram market.

Amid speculation of a demolition drive, the traders have sought permission to reconstruct the market. "We just want the okay. We will reconstruct the market on our own," Purushottam Agarwal, the president of Nandaram Market Traders Welfare Association has made it clear to the Calcutta Municipal Corporation (CMC).

But a Supreme Court verdict of 1986, which tagged the building "illegal", restricts the CMC from allowing any reconstruction, while political considerations prohibit the civic body from issuing demolition orders. "It has become a political issue. We are awaiting a decision from the government," said a CMC official.

Even the probe into the 100-hour blaze is in pause mode. No arrests have been made, and the cause of the fire remains a mystery. Adding to the confusion, the agencies have started passing the buck.

"We are waiting for the fire services department to lodge an FIR," said Ajey Ranade, the deputy commissioner of police (central).

"Our efforts were directed towards fighting the fire and so we couldn't lodge an FIR. We will lodge it in a day or two," said D.P. Biswas, the fire services director.

But in the FIR, the owner cannot be mentioned, as the CMC is clueless about the identity. The other grey area would be the cause of the fire, as the forensic department is yet to kick off its probe.

"The team of forensic experts couldn't do much because of the heat. They will return after the heat trapped inside the charred building subsides," explained Ranade.

With the probe stuck in red tape, the only movement visible was on the southern flank of Brabourne Road, which was thrown open on Thursday. The nearby markets — Raja Katra, Sutapatti, Tamapatti — also came alive after five days of wait and watch.

Taking a lesson from the Nandaram incident, the authorities are trying to put in place a mechanism to monitor the tinderbox markets in town.

Officials from the fire services department, army and Calcutta police held a meeting at Writers' Buildings on Thursday to discuss measures to avoid a repeat. "We are putting in place a disaster management system, which markets will have to adhere to," said Gopal Bhattacharya, a senior fire services official.

The Telegraph

Issue Date: Thursday , January 17 , 2008

Rage and relief in wake of anxiety - Traders jostle with police to enter market

A STAFF REPORTER

Traders scuffle with police to try and enter Nandaram Market on Wednesday. Picture by Bishwarup Dutta

Relief mingled with rage as the anxiety over the fire not being doused for four days gave way to mixed emotions on Day V, as no more flames leapt out of the forbidden floors of Nandaram Market.

From early on Wednesday, Burrabazar traders started queueing up in the hope that they would finally be allowed into the 14-storey complex — by the firemen and the cops — to check if any of their goods or documents could be salvaged.

Pressure from the traders to enter the building grew with every passing hour. S.K. Bajaj of Bajaj Trading Company was in the forefront, a copy of the day's Metro in hand.

"See, this is mine," he said, pointing to the photograph of a shop untouched by the flames. "Please allow me to go to the ninth floor to save what I can," he pleaded.

Suddenly, there was a scramble for "chits of paper" that would serve as passes, apparently to climb up to the fifth floor of the Nandaram Market complex.

But then, a few chunks of concrete came tumbling down, sparking trouble. Loose talk of "a few floors from the top" being demolished had spread like wildfire. With allegations of "conspiracy" and "corruption" being hurled around, the sight of a few Calcutta Municipal Corporation (CMC) workers demolishing a portion of the 10th floor hanging precariously, added fuel to the fiery mood.

A group of traders from Jamunalal Bajaj Street rushed towards Brabourne Road, shouting that they would not allow any of the floors of Nandaram Market to be pulled down. The handful soon swelled to hundreds as some traders shouted that "a secret deal" had been struck behind their back to demolish a few floors.

"A meeting took place last evening between some traders and a few influential people. They are trying to convince the owner to pull down the top floors of the market. We will not allow this," they cried, straining against the police cordon.

With matters threatening to spin out of control, senior police officers used hand-held microphones to allay fears and cool tempers.

By the time the VIP visitors — from Rajasthan and Delhi — trooped in for another round of disaster tourism late on Wednesday afternoon, the traders were back in wait-and-watch mode.

Finally, just as dusk began to descend, the police allowed traders to go up to the fifth floor of Nandaram Market. Some returned with a sense of relief, others with a deeper sense of despair.

nRelief route: Following some confusion over funds for relief and rehabilitation of the Burrabazar blaze victims, the Rajasthan Foundation of Calcutta has decided to steer all contributions to the Chief Minister's Relief Fund.

Hindustan Times

November 4, 2008

Yash Goyal
Kolkata, January 17, 2008

First Published: 16:16 IST(17/1/2008)
Last Updated: 16:22 IST(17/1/2008)

Burrabazar inferno causes loss worth Rs 1000 crores: COTTI

The devastating inferno in Burrabazar here has destroyed property worth Rs 1000 crore, ruined 170 Rajasthani traders, who constituted a bulk of businessmen at the market, have said.

Over 4000 businessmen, 80 per cent of non-resident Rajasthanis, were the worst affected and may n no rehabilitation plan and alternative area of marketing has been thought of by the Buddhadeb gover Chamber of Textile and Industry (COTTI) told a six-member visiting media team here on Wednesda

Over 1200 shops in Nandaram and Kansiram markets, and 500 shops in eight out of 14 *katla* (conges goods in hundreds of other shops were ruined. Mimani, who has made a preliminary assessment, said

Earlier talking to reporters, President Rajasthan Foundation (Kolkata chapter) and Managing Director said the West Bengal government should take up the rehabilitation and revival of business on a war fo labourers who have came on the streets after the blaze.

There is an apprehension among the traders that the state government and municipal corporation could and create new malls for new businessmen neglecting Rajasthanis, Bangur said.

Bangur, who announced a donation of Rs 21 lakh to the CM relief fund of West Bengal said, the fire w government should help rehabilitate small traders.

http://www.hindustantimes.com/StoryPage/Print.aspx?Id=f9799f44-5e2d-421a-9ced-bc97e390ddf6

© Copyright 2007 Hindustan Times

Print This Article

Permission to reprint or copy this article or photo must be obtained from

Burrabazar inferno causes loss worth Rs 1000 crores: COTTI

PTI

KOLKATA: The devastating inferno in Burrabazar has destroyed property worth Rs 1000 crore, ruined 1700 sh 15,000 families in the lurch, Rajasthani traders, who constituted a bulk of businessmen at the market, have s

Over 4000 businessmen, 80 per cent of non-resident Rajasthanis, were the worst affected and may not be ab shops immediately as no rehabilitation plan and alternative area of marketing has been thought up by the Bu government, Bulakidas Mimani, Secretary of Chamber of Textile and Industry (COTTI) told a six-member visit on Wednesday.

Over 1200 shops in Nandaram and Kansiram markets, and 500 shops in eight out of 14 katla (congested lane tarpaulin were gutted, and goods in hundreds of other shops were ruined, Mimani, who has made a prelimina said.

Earlier talking to reporters, President Rajasthan Foundation (Kolkata chapter) and Managing Director of Shree Harimohan Bangur said the West Bengal government should take up the rehabilitation and revival of business besides providing job opportunities to labourers who have came on the streets after the blaze.

There is an apprehension among the traders that the state government and municipal corporation could dem fire affected buildings and create new malls for new businessmen neglecting Rajasthanis, Bangur said.

Bangur, who announced a donation of Rs.21 lakh to the CM relief fund of West Bengal said, the fire was not c sabotage and government should help rehabilitate the small traders.

Mimani further demanded that besides rehabilitation process, soft, short term loans and contigency funds be businessmen to re-start work.

COTTI with a membership of 15000 people and affiliated with 52 business association was ready to assist in a rehabilitation, and arranging funds, he said.

Meanwhile, Mohammed Sohrab, RJD MLA of Burrabazar constituency said the Kolkata municipal corporation s rehabilitation plan with the Left government and they should compensate the losses of business community.

"There is no need for any CBI or judicial probe. The state government has already set up two adiminstrative i out the cause of the fire and loss caused to the traders," the MLA said adding about 80 per cent were busines Rajasthani origin and remaining from other states.

Joint Commissioner of Police Z Hasan, who is monitoring the law and order situation at the site, said business the Ist to Vth floor of Kansiram and Nandram buildings were allowed to go up and evacuate the valuables.

As some portion of these buildings were in a precarious condition after the devastating fire, the entry of busin

sixth to 13 floor would be allowed after reviewing the situation, Hasan said.

A six-member Rajasthan Pradesh Congress committee delegation led by Bhawani Shankar (AICC member) m Governor GK Gandhi last evening demanding immediate compensation, rehabilitation, and alternative means in the fire-torn area.

Shankar said Congress would raise the issue with the Centre and would not allow land builders to occupy the portions of the buildings were demolished for renovation or re-construction.

Date:15/01/2008 URL:
http://www.thehindu.com/2008/01/15/stories/2008011557100500.htm

Special Correspondent

JAIPUR: The devastating fire in Kolkata's Burrabazar area that started on Saturday night and is still raging has anguished the people of Rajasthan as a large number of those affected belong to this State.

An estimated 6,000 families originally hailing from Rajasthan's Shekhawati region and Bikaner are said to be hit by the blaze which, according to reports reaching here, has destroyed as many as 4,000 shops in the wholesale hub so far. The West Bengal capital alone has an estimated 12 lakh people of Rajasthani origin.

Though there were no direct casualties in the fire which turned to ashes the shops selling tarpaulin, readymade garments, cotton and synthetic clothes, among other things, reports said one of the affected traders, 50-year-old Tejkaran Vaid, who had four shops in Nandram Katla (complex), died of shock after the fire. Mr. Vaid hailed from Rajdelsar in Churu district of Rajasthan.

Speaking to The Hindu on phone from Kolkata, Sandeep Bhutoria, president of the Rajasthan National Forum, a body of persons of Rajasthani origin, said on Monday evening that the fire continued to rage in the complex even as voluntary agencies and the fire brigade personnel were trying to evacuate people and salvage whatever was left. He estimated the losses at Rs.2,000 crore to 5,000 crore.

He alleged indifference on the part of the West Bengal Government in providing prompt assistance to the affected persons and in quelling the fire.

Chief Minister Vasundhara Raje talked to her West Bengal counterpart Buddhadeb Bhattacharya on Sunday and appealed for all possible help to the victims. A delegation from the State comprising Cabinet Ministers Kalicharan Saraf and Khemaram Meghwal and Members of Parliament Subhash Maharia and Ramsingh Kaswan, reached Kolkata on Monday to take stock of the situation and meet the victims.

Former Vice-President Bhairon Singh Shekhawat is scheduled to reach Kolkata on Tuesday.

Former Rajasthan Chief Minister and Congress general secretary Ashok Gehlot in a statement here said that despite an appeal by West Bengal Governor Gopalkrishna Gandhi for all possible help, the State Government had only blamed the traders for the fire instead of

Close Window

Print Story

Kolkata inferno cost Rs 1000 crores: Traders

Agencies

Posted online: Thursday , January 17, 2008 at 1709 hrs

Kolkata, January 17: The devastating inferno in Burrabazar in Kolkata has destroyed property worth Rs 1000 crore, ruined 1700 shops and left 15,000 families in the lurch, Rajasthani traders, who constituted a bulk of businessmen at the market, have said.

Over 4000 businessmen, 80 per cent of non-resident Rajasthanis, were the worst affected and may not be able to restart their shops immediately as no rehabilitation plan and alternative area of marketing has been thought up by the Buddhadeb government, Bulakidas Mimani, Secretary of Chamber of Textile and Industry (COTTI) told a six-member visiting media team in Kolkata on Wednesday.

Over 1200 shops in Nandaram and Kansiram markets, and 500 shops in eight out of 14 katla (congested lanes' shops) in tarpaulin were gutted, and goods in hundreds of other shops were ruined, Mimani, who has made a preliminary assessment, said.

Earlier talking to reporters, President Rajasthan Foundation (Kolkata chapter) and Managing Director of Shree Cement LTD, Harimohan Bangur said the West Bengal government should take up the rehabilitation and revival of business on a war footing besides providing job opportunities to labourers who have came on the streets after the blaze.

There is an apprehension among the traders that the state government and municipal corporation could demolish the entire fire affected buildings and create new malls for new businessmen neglecting Rajasthanis, Bangur said.

Bangur, who announced a donation of Rs.21 lakh to the CM relief fund of West Bengal said, the fire was not caused by sabotage and government should help rehabilitate the small traders.

Mimani further demanded that besides rehabilitation process, soft, short term loans and contingency funds be provided to every businessmen to re-start work.

COTTI with a membership of 15000 people and affiliated with 52 business association was ready to assist in any inquiry, any rehabilitation, and arranging funds, he said.

Meanwhile, Mohammed Sohrab, RJD MLA of Burrabazar constituency said the Kolkata municipal corporation should take up the rehabilitation plan with the Left government and they should compensate the losses of business community.

"There is no need for any CBI or judicial probe...The state government has already set up two administrative inquiries to find out the cause of the fire and loss caused to the traders," the MLA said adding about 80 per cent were businessmen of Rajasthani origin and remaining from other states.

Joint Commissioner of Police Z Hasan, who is monitoring the law and order situation at the site, said businessmen operating on the Ist to Vth floor of Kansiram and Nandram buildings were allowed to go up and evacuate the valuables.

As some portion of these buildings were in a precarious condition after the devastating fire, the entry of businessmen from sixth to 13 floor would be allowed after reviewing the situation, Hasan said.

A six-member Rajasthan Pradesh Congress committee delegation led by Bhawani Shankar (AICC member) met West Bengal Governor G K Gandhi last evening demanding immediate compensation, rehabilitation, and alternative means to revive business in the fire-torn area.

Shankar said Congress would raise the issue with the Centre and would not allow land builders to occupy the space if some portions of the buildings were demolished for renovation or re-construction.

100 hours on, blaze battle won

OUR BUREAU

The Nandaram Market com- fire was brought "compl- under control" on Wed- day morning, more than hours after it broke out.

For the first time since the e started at 1am on Satur- trol. It has taken us five days to douse the blaze," said fire services director D.P. Biswas.

It was around 7.30pm on Tuesday when the term "fire under control" was first used in the internal communication of the firemen. The official declaration came at 10.01pm.

But pocket fires could still be spotted in parts of the building throughout the night, keeping the fire-fighters busy.

On Wednesday morning, neither flame nor fume could be seen. "There are now only six tenders around the building. By tomorrow, the figure will drop further," said Biswas. The 54-metre hydraulic ladder of the fire department was also removed during the day.

The battle with the blaze finally over, the firemen are now directing their efforts at cooling the building. "There is still tremendous heat inside. We need to spray water on the building for the next few days to bring down the temperature," said a fire department official.

The department has allowed traders to climb up to the fifth floor of Nandaram Market to assess their shops and godowns. "It will take at least a week for the entire building to become accessible," the officer said.

As for Kashiram, he said: "Since the extent of damage there is greater than in Nandaram, the Calcutta Municipal Corporation will decide when the traders can be allowed in."

A cage full of birds rescued m the 13th floor of the daram Market complex Wednesday morning. ture by Bishwarup Dutta

team from the state fire emergency services went the 13th floor of Nan- around 8.30am on esday.

ow we can say the situa- is completely under con-

Traders jostle with police to enter market

Rage and relief in wake of anxiety

A STAFF REPORTER

Relief mingled with rage as the anxiety over the fire not being doused for four days gave way to mixed emotions on Day V, as no more flames leapt out of the forbidden floors of Nandaram Market.

From early on Wednesday, Burrabazar traders started queueing up in the hope that they would finally be allowed into the 14-storey complex — by the firemen and the cops — to check if any of their goods or documents could be salvaged.

Pressure from the traders to enter the building grew with every passing hour. S.K. Bajaj of Bajaj Trading Company was in the forefront, a copy of the day's Metro in hand.

"See, this is mine," he said, pointing to the photograph of a shop untouched by the flames. "Please allow me to go to the ninth floor to save what I can," he pleaded.

Suddenly, there was a scramble for "chits of paper" that would serve as passes, apparently to climb up to the fifth floor of the Nandaram Market complex.

But then, a few chunks of concrete came tumbling down, sparking trouble. Loose talk of "a few floors from the top" being demolished had spread like wildfire. With allegations of "conspiracy" and "corruption" being hurled around, the sight of a few Calcutta Municipal Corporation (CMC) workers demolishing a portion of the 10th floor hanging precariously, added fuel to the fiery mood.

A group of traders from Jamunalal Bajaj Street rushed towards Brabourne Road, shouting that they would not allow any of the floors of Nandaram Market to be pulled down. The handful soon swelled to hundreds as some traders shouted that "a secret deal" had been struck behind their back to demolish a few floors.

"A meeting took place last evening between some traders and a few influential people. They are trying to convince the owner to pull down the top floors of the market. We will not allow this," they cried, straining against the police cordon.

With matters threatening to spin out of control, senior police officers used handheld microphones to allay fears and cool tempers.

By the time the VIP visitors — from Rajasthan and Delhi — trooped in for another round of disaster tourism late on Wednesday afternoon, the traders were back in wait-and-watch mode.

Finally, just as dusk began to descend, the police allowed traders to go up to the fifth floor of Nandaram Market. Some returned with a sense of relief, others with a deeper sense of despair.

■ Relief route: Following some confusion over funds for relief and rehabilitation of the Burrabazar blaze victims, the Rajasthan Foundation of Calcutta has decided to steer all contributions to the Chief Minister's Relief Fund.

Traders scuffle with police to try and enter Nandaram Market on Wednesday. Picture by Bishwarup Dutta

"See, this is my shop," said S.K. Bajaj, pointing to a photograph in Metro. "This proves that some of my stocks can be saved. Please allow me to go up to the ninth floor."

The Telegraph

THURSDAY 17 JANUARY 2008

बड़ाबाजार अग्निकांड के सम्बन्ध में राजस्थान फाउण्डेशन, कोलकाता द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन में फाउण्डेशन के सचिव श्री संदीप भूतोड़िया, राजस्थान के शि… मंत्री श्री खेमाराम मेघवाल, सांसद व पूर्व मंत्री सुभाष मेहारिया, फाउण्डेशन के अध्यक्ष श्री हरिमोहन बांगड़, विधायक श्री दिनेश बजाज, राजस्थान के विधायकद्वय श्… श्री तिलोकचंद डागा तथा भाजपा पार्षद श्रीमती सुनीता झवर।

अग्निकाण्ड : राजस्थानी प्रतिनिधियों ने की सीबीआई जांच की मां…

कोलकाता, १४ जनवरी (निप्र)। …बाजार में लगी आग की सीबीआई … हो, क्योंकि इतनी बड़ी घटना बिना …लिभगत की नहीं हो सकती। यह मांग …स्थल का दौरा करने के बाद …स्थानी प्रतिनिधिमंडल ने की। उन्होंने … कि बड़ाबाजार क्षेत्र में प्रत्येक बार …गजनी की घटना एवं नंदराम मार्केट …ी आग पर अब तक न काबू पाना …ज्य सरकार की सबसे बड़ी असफलता …ह कहना है राजस्थान की मुख्यमंत्री …सुंधरा राजे के निर्देश पर अग्निकांड की … का जायजा लेने आए प्रतिनिधि …ल का। आज दोपहर घटनास्थल का … करने के बाद राजस्थान फाउंडेशन … ओर से आयोजित एक संवाददाता …लन में प्रतिनिधि दल ने कहा कि …से पहले राज्य सरकार को किसी भी … आग बुझानी चाहिए। क्योंकि …परवाही के कारण आगपर अब तक काबू नहीं पाया जा सका है। दौरे पर आए राजस्थान के शिक्षामंत्री कालीचरण सराफ ने कहा, 'इस पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच होनी चाहिए। क्योंकि बिना भू-माफिया व सरकारी दलालों के मदद से इतनी बड़ी घटना नहीं हो सकती।' उन्होंने संदेह व्यक्त किया कि हो सकता है कि सस्ते दर से यहां रह रहे कारोबारियों को हटाने के लिए मकान मालिक की मिली-भगत से आग लगाई गई हो इसलिए घटना की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। राजस्थान के खनिज मंत्री खेमाराम मेघवाल ने कहा कि इस भीषण आग में अपना सबकुछ गंवा चुके व्यवसायियों को राज्य सरकार १०-१० लाख मुआवजा दे ताकि वो लोग अपना कारोबार फिर से शुरू कर सकें। उन्होंने मांग की कि अगले दो वर्षों में तबाह व्यापारियों को उसी जगह भवन निर्मित कराकर कारोबार के लिए स्थान दे। किन्तु इससे पहले उनके लिए वैकल्पिक व्यापार के लिए व्यवस्था करना बहुत जरूरी है। प्रतिनिधि दल द्वारा यह भी कहा गया कि कारोबारी अपना व्यापार शुरू कर सकें इसके लिए राज्य सरकार को स्वयं गारंटर बनकर बैंकों से सस्ती दरों पर ऋण दिलाना चाहिए। लोन की रकम कम से कम ५० लाख हो ताकि व्यापारी अपना व्यवसाय नये सिरे से शुरू कर सकें। उन्होंने साफकर दिया कि यह दौरा राजनीति से प्रेरित नहीं है बल्कि राजस्थानी सरकार द्वारा बड़ाबाजार के ८५% व्यापारियों के हित के लिए किया गया। प्रतिनिधिदल में शामिल दौरे की सारी जानकारी राजस्थान सरकार को दी जाएगी, जिसके बाद राहत के लिए कोई कदम उठाया जा सकेगा। दल की आगवानी करने वाले राजस्थान फाउंडेशन के सचिव संदीप भूतोड़िया ने कहा कि आगजनी की घटना से राजस्थान की सरकार बेहद चिंतित है एवं वहां से हरसंभव मदद के लिए आश्वासन दिया गया है। संवाददाता सम्मेलन में राजस्थान के दो मंत्रियों, सांसद व विधायकों के अलावा मौजूद फाउंडेशन कोलकाता के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड ने मीडिया पर घटनास्थल पर कथित व्यापारियों द्वारा हमले के आरोपों को सिरे से नकारते हुए कहा कि विपत्ति से जूझ रहा व्यापारी वर्ग ऐसा काम नहीं कर सकता। वो लोग तो हाथ जोड़कर किसी भी तरह आग बुझाने की गुजारिश कर रहेहैं। उन्होंने यह आशंका व्यक्त की कि कुछ विशेष लोगों द्वारा व्यापारियों को बदनाम करने के लिए साजिश के तहत लोगों का ध्यान बंटाने के लिए इस प्रकार की घटना को अंजाम दिया गया है। जरूरत पड़ने पर हमले की जांच होनी चाहिए। राजस्थान के शिक्षामंत्री कालीचरण सराफ ने कहा कि राज्य सरकार को इज्जत या बेईज्जती का ख्याल न करते हुए आग बुझाने के लिए इलाके को पूर्ण रूप से सेना को सौंप देना चाहिए। सरकार को अपनी गलती स्वीकारते हुए जल्द से जल्द सेना की मदद लेने में देरी नहीं करनी चाहिए। सूत्रों के मुताबिक राजस्थान के सिकर, चुरु व झुंझनू के ज्यादातर व्यवसायी इस घटना में प्रभावित हुए हैं। इस मौके पर तृणमूल कांग्रेस के विधायक दिनेश बजाज ने कहा कि प्रत्येक सरकार का यह दायित्व बनता है कि कहीं भी राज्य के लोगों की सुरक्षा-व्यवस्था का ख्याल रखे। राजस्थानी प्रतिनिधिदल यहां की सरकार एवं व्यवसायियों के बीच सामंजस्य बैठाने की कोशिश कर रही है। यहां से पूरी रिपोर्ट वहां की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को सौंपी जाएगी। प्रतिनिधिदल द्वारा यह भी आरोप लगाया गया कि स्थानीय पार्षद सुनीता झव… साथ जायजा लेते वक्त प्रशासन … सुरक्षा के नाम पर हमें खुलकर बात… नहीं करने दिया गया। दल द्वारा जान… दी गई कि हमलोग राज्यपाल गोपालकृ… गांधी से मुलाकात करने के बाद रा… बिल्डिंग में राहत मंत्री से बातचीत … जाएंगे। पूर्व केन्द्रीय मंत्री व सांसद सु… मेहारिया ने साफतौर पर कहा कि अ… की भयावहता को रोका जा सकता… लेकिन सरकार की लापरवाही से … न हो सका। यदि सरकार व्यापारियों… खिलाफ उदासीन रही तो बंगाल … अर्थ-व्यवस्था पर भारी प्रभाव पड़े…

राजस्थान से आए प्रतिनिधि द… घटनास्थल का दौरा करने के बाद … शाम राज्यपाल गोपालकृष्ण गांधी… मुलाकात कर उन्हें वर्तमान स्थिति… अवगत करवाया। साथ ही उ… अग्निकांड में हस्तक्षेप करने की मांग … इस मौके पर भाजपा के प्रदेश महास… राहुल सिन्हा भी मौजूद थे। राज्यप… से मिलने के बाद प्रतिनिधिमंडल रा… बिल्डिंग में मंत्रियों से मुलाकात … चला गया।

आज शाम अग्निकांड में बर्बाद… व्यापारियों के साथ प्रतिनिधिमंडल … बैठक करेगा, जिसके बाद ही राहत … बात की जाएगी। बैठक में राजस्… सरकार से उनके द्वारा लगाई गई उम्… को जाना जाएगा।

संवाददाता सम्मेलन में राजस्… के दो विधायक राजकुमार रिणवा… के. डी. बाबर समेत राजस्… फाउंडेशन की ओर से राजकुमार श… जोधराज लड्ढा, अरुण गुप्ता व अ… भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्… रामवतार पोद्दार भी उपस्थित थे।

दैनिक विश्वमित्र

कोलकाता, १५ जनवरी २००८

त्री श्री कालीचरण सराफ, खनिज
ाजकुमार रिणवां एवं के.डी. बावर,
विश्वमित्र

राजस्थान की सरकार ने लगाया राज्य सरकार पर आरोप

भूमाफिया और सरकारी नुमाइंदों की साजिश

कोलकाता : बड़ाबाजार इलाके में लगी आग की लपटें इतनी ऊंची उठीं की राजस्थान तक पहुंच गयीं जिससे वहां की सरकार भी दहक उठी। लगातार चार दिनों से जल रहा बड़ा बाजार का इलाका और नन्दराम मार्केट अब भी बुझने को तैयार नहीं दिख रहा है। बड़ाबाजार इलाके में लगी आग की गम्भीरता के मद्देनजर रविवार को राजस्थान सरकार की ओर से मंत्रियों, सांसदों और विधायकों का एक प्रतिनिधि दल महानगर पहुंचा और बड़ाबाजार में कारोबार कर रहे राजस्थानी व्यवसाइयों से घटनास्थल पर मुलाकात की। सोमवार को हिन्दुस्तान क्लब में संवाददाताओं से बातचीत में राजस्थान के उद्योग व अप्रवासी राजस्थानी मामलों के मंत्री डॉ. दिगम्बर सिंह, शिक्षा मंत्री कालीचरण सराफ, खनिज राज्य मंत्री के. आर. मेघवाल, सांसद सुभाष मेहरिया, चूरू के सांसद राम सिंह कस्वा, रतनगढ़ के विधायक राजू रेणवा, जोड़ासांको के विधायक दिनेश बजाज तथा राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता के अध्यक्ष एच. एम. बांगड़, सचिव संदीप भुतोड़िया और स्थानीय पार्षद सुनीता झँवर ने एक स्वर में इस पूरे कांड के लिये राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए उसे जिम्मेदार ठहराया। प्रेस से बातचीत में राजस्थान के शिक्षा मंत्री कालीचरण सराफ ने कथित तौर पर राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि इस पूरी घटना के पीछे भूमाफिया तथा सरकारी नुमाइंदों का हाथ है। सस्ती दरों के किरायेदारों को हटाने की साजिश की गयी है ताकि जमीन मालिकों को मुनाफा हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार इस आग को बुझाना तो दूर रहा इसे नियंत्रित करने में भी असफल साबित हुई है, और यह सब उसकी लापरवाही के कारण हुआ है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि हम यहां अपने उन राजस्थानी भाइयों की मदद के लिये आये हैं जिन्होंने इस अग्निकांड में अपना सर्वस्व खो दिया है। घटनास्थल पर दमकल विभाग, सुरक्षा कर्मियों तथा सेना के जवानों द्वारा बरती जा रही लापरवाही की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि घटनास्थल पर किसी भी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। पुलिस मूक दर्शक बनी लोगों की बर्बादी का तमाशा देख रही थी। पुलिस कर्मियों द्वारा उन्हें मीडिया और आम लोगों से बात नहीं करने दिया गया। यहां तक की वहां की स्थानीय पार्षद सुनीता झँवर से भी बात करने से रोका गया। इसी सिलसिले में राजस्थान से आये इस दल ने राज्यपाल गोपाल कृष्ण गांधी से मिलकर अपनी कुछ मांगें उनके सामने रखीं जो इस प्रकार हैं : 1. घटना की सीबीआई जांच हो, 2. भुक्तभोगी व्यवसाइयों को राज्य सरकार द्वारा 10 लाख का मुआवजा दिया जाये, 3. बैंक द्वारा व्यवसाइयों को 50 लाख का सॉफ्ट लोन दिया जाये, 4. व्यापार के लिये व्यवसाइयों को आस-पास ही वैकल्पिक जमीन मुहैया करायी जाये। आग से हुए नुकसान के बारे में जानकारी देते हुए राजस्थान के शिक्षा मंत्री ने बताया कि करीब 2 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है जिसमें 85 प्रतिशत राजस्थानी व्यवसाइयों का भी नुकसान हुआ है। इस मौके पर व्यवसाइयों की ओर से मौजूद फेडरेशन ऑफ वेस्ट बंगाल ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष आत्माराम केजरिया ने भी अपना पक्ष रखा।

पत्रकारों को सम्बोधित करते राजस्थान से आये जन प्रतिनिधि

सन्मार्ग

मंगलवार 15 जनवरी, 2008

अग्निकांड की हो सीबीआइ जांच : कालीचरण

- राजस्थान के प्रतिनिधियों ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा
- आग बुझाने में सरकार पर विफलता का आरोप
- प्रभावित क्षेत्र सेना के हवाले करने की मांग
- पीड़ितों को मुआवजा देने की मांग

मौके [illegible] स्थान से आया प्रतिनिधियों का [illegible]

संवाददाता

कोलकाता : बड़ाबाजार अग्निकांड का जायजा लेने व पीड़ितों से मिलने के लिए राजस्थान के शिक्षामंत्री कालीचरण सराफ, खनन मंत्री केआर मेघवाल, सांसद सुभाष मेहरिया, विधायक राजकुमार रेनवा व केडी बावर ने संयुक्त रूप से आज घटनास्थल का दौरा किया. बाद में राजस्थान फाउंडेशन की ओर से आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रतिनिधियों ने सामूहिक रूप से आग पर काबू नहीं पाने के लिए राज्य सरकार को जिम्मेवार ठहराया. शिक्षा मंत्री श्री सराफ ने राज्य सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि सरकार को अग्निस्थल सेना के हवाले कर देना चाहिए, ताकि आग पर जल्द से जल्द काबू पाया जा सके. प्रतिनिधियों का दल शाम राज्यपाल गोपाल कृष्ण गांधी से मिल कर एक ज्ञापन भी सौंपा. ज्ञापन में अग्निकांड की जांच सीबीआइ से करने की मांग की गयी है. सांसद मेहरिया ने आशंका जतायी कि अग्निकांड के पीछे मकान मालिक व प्रमोटर की साजिश हो सकती है. ऐसा पुराने किरायेदारों को हटाने के लिए किया गया होगा, ताकि नये किरायेदारों से अधिक किराया वसूला जा सके.

सरकार से प्रभावित व्यवसायियों को उसी जगह फिर से व्यावसायिक भवन बना कर उसी दर पर मुहैया करने, पीड़ितों को 10-10 लाख रुपये अविलंब भुगतान करने, सरकार को प्रत्येक व्यापारी को 50-50 लाख रुपये का ऋण कम ब्याज पर देने के लिए विशेष व्यवस्था करना आदि मुख्य मांग है. श्री सराफ ने बताया कि राजस्थानी मूल के लोगों के साथ एक बैठक की जायेगी. इस मौके पर उद्योगपति संदीप भूतोड़िया, विधायक दिनेश बजाज, पार्षद सुनीता झंवर, एचएम बांगुर, अरुण गुप्ता सहित अन्य मौजूद थे.

मौके पर भाजपा नेता तथागत राय और संदीप भूतोड़िया.

प्रभात खबर

कोलकाता, मंगलवार, 15 जनवरी 2008

'उन्हें जरूरत न हो, हमें चिंता है'

प्रतीम चटर्जी के बयान पर बिफरे सीकर के सांसद

कोलकाता, 14 जनवरी (कास.)।

राज्य के दमकल मंत्री प्रतीम चटर्जी की ओर से अग्निकाण्ड में राजस्थान सरकार की किसी भी सहायता से इनकार करने पर सीकर के सांसद सुभाष महरिया ने काफी क्षोभ व्यक्त किया और कहा कि उन्हें भले ही जरूरत नहीं हो लेकिन हमें अपने लोगों की चिंता है। बड़ाबाजार के इस अग्निकांड का असर राजस्थान पर भी पड़ेगा। आर्थिक रूप से अधिक हम आत्मिक रूप से व्यवसायियों से जुड़े हुए हैं। ऐसे में हमारा कर्तव्य बनता है अपने लोगों के साथ खड़ा होना।राजस्थान के शिक्षामंत्री कालीचरण सर्राफ ने अग्निकाण्ड की घटना पर शंका जताई। उन्होंने कहा कि आरोपों के अनुसार लगता है कि इस घटना के पीछे भू-माफिया और सरकारी लोगों की साजिश है। इनका मकसद है दुकानदारों को खदेड़कर नए सिरे से प्रमोटिंग करना। उन्होंने आरोप लगाया कि इस अग्निकाण्ड पर काबू पाने में राज्य सरकार ने उच्छशीलता की कमी दर्शायी है। एक ओर जहां देश का सबसे बड़ा व्यापारिक इलाका आग की लपटों के बीच था, यहां की सरकार रैली करने में व्यस्त थी। सब कुछ लुटाने वालों के आंसू पोंछने वाला कोई नहीं था। उन्होंने यह भी ाप लगाया कि हम 2 हजार किमी. दूर से अ लोगों से मिलने आए, लेकिन घटनास्थल पर ानबूझकर अव्यवस्था की गई, ताकि हम लोगों मिल नहीं सके। उनके दुख-दर्द सुन नहीं सकें। न्हें अपनी कलई खुलने का डर था। हमारे दौरे से कुछ पहले मीडिया पर हमला कराकर व्यवसायियों ो बदनाम करने की साजिश रची गई। यह निंदनी । मीडिया पर हमला व्यापारियों ने नहीं असामाि तत्वों ने की है। मंत्री राजस्थान फाउंडेशन की ओर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे। मौके पर ंडेशन के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़, सचिव संदी भुतोड़िया, सदस्य तिलोकचंद डागा, विधायक दि बजाज, पार्षद सुनीता झंवर भी मौजूद थी।

रा के रा मंत्री मुा हुसैन के कक्ष में राजस्थान का प्रतिनिधि दल।

पत्रिका

राजस्थान पत्रिका

कोलकाता – मंगलवार – 15 जनवरी 2008

अग्निकांड का जायजा लेने आज आएगा राजस्थान के मंत्रियों का दल

कोलकाता, 13 जनवरी। मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के निर्देश पर बड़ाबाजार अग्निकांड का जायजा लेने राजस्थान के मंत्रियों का एक तीन सदस्यीय दल कल कोलकाता आ रहा है। मंत्रियों का दल कल सुबह 10 बजे यहां पहुंच जाएगा। इस आशय की जानकारी देते हुए राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता के सचिव श्री संदीप भूतोड़िया ने बताया कि राजस्थान की मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया ने बड़ाबाजार अग्निकांड से हुए नुकसान के प्रति दुःख व्यक्त किया और अपनी सरकार की ओर से हर तरह का सहयोग करने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने अग्निकांड के जायजा लेने तथा पीड़ित व्यापारियों से बातचीत करने के लिए अपने मंत्रिमंडल के तीन सहयोगियों को कोलकाता जाने का निर्देश दिया। राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता के अध्यक्ष एवं उद्योगपति हरिमोहन बांगड़ ने अग्निकांड पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए बताया कि राजस्थान के उद्योग एवं अप्रवासी राजस्थानी मामलों के मंत्री डा. दिगम्बर सिंह, खनिज मंत्री खेमी राम मेंगवाल तथा शिक्षा मंत्री कालीचरण सराफ आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि मंत्रियों का दल यहां कल सुबह पहुंच कर अग्निकांड स्थल का दौरा करेगा और व्यापारियों से बातचीत कर अपनी ओर से सहयोग देने का भरोसा दिलायेगा। मंत्रियों के दल के साथ कुछ वरिष्ठ सांसदों के भी कल कोलकाता पहुंचने की संभावना है।

छपते छपते

सोमवार, 14 जनवरी, 2008

बड़ाबाजार अग्निकांड की आंच राजस्थान पहुंची

जायजा लेने आज आएगा मंत्रियों का दल

कोलकाता, १३ जनवरी (निप्र)। गत शुक्रवार की देर रात से पूरे बड़ाबाजार में दहशत फैला रखी लिएपाल पट्टी अग्निकांड की आंच राजस्थान पहुंच गयी है। मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के निर्देश पर बड़ाबाजार अग्निकांड का जायजा लेने राजस्थान के मंत्रियों का एक तीन सदस्यीय दल कल कोलकाता आ रहा है। मंत्रियों का दल कल सुबह लगभग १० बजे यहां पहुंच जाएगा। इस आशय की जानकारी देते हुए राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता के सचिव श्री सदीप भूतोड़िया ने बताया कि राजस्थान की मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया ने बड़ाबाजार अग्निकांड से हुए नुकसान के प्रति दुःख व्यक्त किया और अपनी सरकार की ओर से हर तरह का सहयोग करने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने अग्निकांड का जायजा लेने तथा पीड़ित व्यापारियों से बातचीत करने के लिए अपने मंत्रिमंडल के तीन सहयोगियों को कोलकाता जाने का निर्देश दिया। राजस्थान फाउण्डेशन, कोलकाता के अध्यक्ष एवं उद्योगपति हरिमोहन बांगड़ ने अग्निकांड पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए बताया कि राजस्थान के मंत्रियों का दल यहां कल सुबह पहुंच कर अग्निकांड स्थल का दौरा करेगा और व्यापारियों से बातचीत कर अपनी ओर से सहयोग देने का भरोसा दिलायेगा। उन्होंने बताया कि टेलीफोन के जरिये श्रीमती सिंधिया को लिएपाल पट्टी अग्निकांड की जानकारी दी गयी। घटना की खबर पाते ही उन्होंने अपने मंत्रिमंडल के मंत्रियों को कोलकाता के दौरे का निर्देश दिया। श्रीमती सिंधिया ने अपने यहां के उद्योग एवं अप्रवासी राजस्थानी मामलों के मंत्री डा. दिगम्बर सिंह, खनिज मंत्री खेमा राम मेगवाल तथा शिक्षा मंत्री कालीचरण सराफ को कोलकाता भेजने का निर्णय लिया है। राजस्थान फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री हरिमोहन बांगड ने बताया कि मंत्रियों के दल के साथ कुछ वरिष्ठ सांसदों के भी कल कोलकाता पहुंचने की संभावना है।

दैनिक विश्वमित्र

कोलकाता, १४ जनवरी २००८

लपटों की आंच राजस्थान तक

सन्मार्ग संवाददाता

कोलकाता : महानगर के सबसे बड़े व्यावसायिक स्थल बड़ाबाजार में शुक्रवार को देर रात लगी आग की लपटों की आंच राजस्थान तक पहुंच चुकी है। बड़ाबाजार में राजस्थानी मूल के व्यवसायियों की संख्या अधिक है। आग के कारण सबसे अधिक वे लोग ही प्रभावित हुए हैं। बड़ाबाजार में लगी आग की लपटों ने राजस्थान के लोगों को भी विचलित कर दिया है। बहरहाल बड़ाबाजार के अग्निकांड का जायजा लेने राजस्थान के मंत्रियों का एक तीन सदस्यीय दल सोमवार को कोलकाता आ रहा है। राजस्थान के उद्योग व आप्रवासी राजस्थानी मामलों के मंत्री डॉ. दिगम्बर सिंह, खनिज मंत्री खेमा राम मेगवाल तथा शिक्षा मंत्री कालीचरण सराफ आ रहे हैं। मंत्रियों के साथ कुछ वरिष्ठ सांसद भी आ रहे हैं। इसमें चूरू के सांसद राम सिंह कसवा, रतनगढ़ के विधायक राजू रेणवा व अन्य सांसद व विधायक शामिल हैं।

आज आ रहे हैं कई मंत्री व सांसद

राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के निर्देश पर मंत्रियों का दल सोमवार को सुबह करीब 10 बजे कोलकाता आ जायेगा। इसकी जानकारी राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़ तथा सचिव संदीप भूतोड़िया ने दी।

राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने बड़ाबाजार अग्निकांड से हुए नुकसान के प्रति दुःख प्रकट किया और अपनी सरकार की ओर से हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। उन्होंने अग्निकांड का जायजा लेने तथा पीड़ित व्यापारियों से बातचीत करने के लिए अपने मंत्रिमंडल के तीन सहयोगियों को कोलकाता जाने का निर्देश दिया। राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता के अध्यक्ष व उद्योगपति हरि मोहन बांगड़ ने अग्निकांड पर गहरा दुःख व्यक्त किया।

सन्मार्ग

सोमवार 14 जनवरी 2008

अग्निकांड का जायजा लेगा राजस्थान के मंत्रियों का दल

जागरण ब्यूरो, कोलकाता : मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के निर्देश पर बड़ाबाजार अग्निकांड का जायजा लेने राजस्थान के मंत्रियों का एक तीन सदस्यीय दल कल कोलकाता आ रहा है। यह दल कल सुबह लगभग 10 बजे यहां पहुंच जायेगा। इस आशय की जानकारी देते हुए राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता के सचिव संदीप भूतोड़िया ने बताया कि मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने बड़ाबाजार अग्निकांड से हुए नुकसान के प्रति दुख व्यक्त किया और अपनी सरकार की ओर से हर तरह का सहयोग करने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने अग्निकांड का जायजा लेने तथा पीड़ित व्यापारियों से बातचीत करने के लिए अपने मंत्रिमंडल के तीन सहयोगियों को कोलकाता जाने का निर्देश दिया। राजस्थान फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं उद्योगपति हरिमोहन बांगड़ ने अग्निकांड पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए बताया कि राजस्थान के उद्योग एवं अप्रवासी राजस्थानी मामलों के मंत्री डा. दिगंबर सिंह, खनिज मंत्री खेमा राम मेगवाल, सीकर के भाजपा सांसद सुभाष महारिया तथा शिक्षा मंत्री कालीचरण सराफ आ रहे हैं। मंत्रियों का दल यहां अग्निकांड स्थल का दौरा करेगा और व्यापारियों से बातचीत कर अपनी ओर से सहयोग देने का भरोसा दिलायेगा।

दैनिक जागरण

जमशेदपुर, 14 जनवरी, 2008

जायजा लेने आयेगा राजस्थान के मंत्रियों का दल

कोलकाता : मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के निर्देश पर बड़ाबाजार अग्निकांड का जायजा लेने के लिए राजस्थान के मंत्रियों का एक तीन सदस्यीय दल कल कोलकाता आ रहा है. मंत्रियों का यह दल कल सुबह 10 बजे तक पहुंच जायेगा. इस आशय की जानकारी देते हुए राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता के सचिव संदीप भूतोड़िया ने बताया कि राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने बड़ाबाजार अग्निकांड से हुए नुकसान के प्रति दुख व्यक्त किया व अपने सरकार की ओर से हर तरह का सहयोग देने का आश्वासन दिया है. साथ ही उन्होंने अग्निकांड का जायजा लेने व पीड़ित व्यवसायियों से बातचीत करने के लिए अपने मंत्रिमंडल के तीन सहयोगियों को कोलकाता जाने का निर्देश दिया है. राजस्थान फाउंडेशन, कोलकाता के अध्यक्ष व उद्योगपति हरिमोहन बांगड़ ने अग्निकांड पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्थान के उद्योग व अप्रवासी राजस्थानी मामलों के मंत्री डॉ दिगंबर सिंह, खनिज मंत्री खेमा राम व शिक्षा मंत्री कालीचरण सराफ आ रहे है. उन्होंने बताया कि मंत्रियों का यह दल अग्निकांड स्थल का दौरा करेगा. व्यवसायियों से बातचीत कर सहयोग का भरोसा दिलायेगा. इसके साथ कुछ वरिष्ठ सांसदों के भी कोलकाता पहुंचने की संभावना है.

प्रभात ख़बर

कोलकाता, सोमवार, 14 जनवरी, 2008